राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार,06 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–279 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में आप कराएगी भाजपा का फायदा? 2 ओपिनियन पोल का एक जैसा दावा

अहमदाबाद। गुजरात में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। 1 और 5 दिसंबर को राज्य में 182 सीटों पर मतदान होगा। 27 साल से सरकार चला रही भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच त्रिकोणीय मुकाबले का परिणाम क्या होगा यह तो 8 दिसंबर को वोटों की गिनती के बाद ही साफ होगा, फिलहाल शुक्रवार को आए दो ओपिनियन पोल का इशारा दिलचस्प है। दोनों ही सर्वे में भाजपा के लिए खुशखबरी की भविष्यवाणी की गई है। ओपिनियन पोल के नतीजों में कांग्रेस की सीटें घटती दिख रही हैं तो आम आदमी पार्टी भी कमाल करती नहीं दिख रही है। हालांकि, अरविंद केजरीवाल की मेहनत से पार्टी यहां पहले से काफी मजबूत हुई है।

सी-वोटर का क्या है अनुमान

एबीपी न्यूज पर प्रसारित सी-वोटर के सर्वे के मुताबिक 'सत्ता विरोधी लहर' जैसे दावों को हवा में उड़ाते हुए भाजपा यहां अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल कर सकती है। ओपिनियन पोल की भविष्यवाणी सच हुई तो भाजपा यहां 2002 का अपना रिकॉर्ड तोड़ सकती है। भगवा दल को 131-139 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। कांग्रेस को 31-39 सीटों पर जीत हासिल हो सकती है तो आम आदमी पार्टी को 07-15 सीटें मिल सकती हैं। अन्य के खाते में 00-02 सीटें जीने की बात कही गई है।

इंडिया टीवी मेटराइज की भविष्यवाणी

इंडिया टीवी मेटराइज के सर्वे के मुताबिक, भाजपा एक बार फिर गुजरात में सरकार बना सकती है। भगवा दल को 119 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। पिछली बार भाजपा को कड़ी टक्कर देने वाली कांग्रेस के हाथ में 59 सीटें आ सकती हैं। वहीं, पहली बार सभी सीटों पर लड़ रही आम आदमी पार्टी को 03 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की गई है। अन्य को 1 सीट मिल सकती है।

AAP की मजबूती से भाजपा को फायदा?

राजनीतिक जानकार दावा करते रहे हैं कि भाजपा को कांग्रेस और आप के बीच वोट बंटवारे का फायदा मिल सकता है। अब दो सर्वे ने भी कुछ इसी तरह का इशारा किया है। सी-वोटर के सर्वे के मुताबिक, भाजपा को 45 फीसदी वोट शेयर मिल सकता है। भाजपा विरोधी वोट कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच बंटता दिख रहा है। कांग्रेस को 29 फीसदी वोट शेयर मिलने का अनुमान है तो अरविंद केजरीवाल की मेहनत के बदौलत %आप% 20 फीसदी वोट हासिल कर सकती है। अन्य के हिस्से में 6 फीसदी वोट जाने का अनुमान है। इंडिया टीवी मेटराइज के सर्वे के मुताबिक, भाजपा को 51.3 फीसदी वोट मिल सकते हैं। कांग्रेस 37.2 फीसदी वोट हासिल कर सकती है तो आम आदमी पार्टी के खाते में 7.2 फीसदी वोट जा सकते हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो बीजेपी को 48.2, कांग्रेस को 42.2 और अन्य को 8.9 फीसदी वोट हासिल हुए थे। आम आदमी पार्टी 29 सीटों पर लड़ी थी और सभी जगह जमानत जब्त हो गई थी।

विधवा से रेप और हत्या के दोषी को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने उम्रकैद में बदली मौत की सजा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 1998 में एक विधवा महिला की रेप के बाद हत्या मामले में दोषी को राहत दी। शीर्ष अदालत ने दोषी की सजा को मौत से बदलकर आजीवन कारावास में बदलने का आदेश दिया है। शनिवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि वह लगभग 10 तक जेल में एकांत कारावास में था, जिसका उसके स्वास्थ्य में बुरा प्रभाव पड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने बीए उमेश द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई की जो 1998 में बेंगलुरु में एक विधवा के बलात्कार और हत्या में शामिल था। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, मौजूदा मामले में, ट्रायल कोर्ट द्वारा 2006 में अपीलकर्ता को मौत की सजा सुनाई गई थी और दया याचिका को अंततः 12 मई 2013 को राष्ट्रपति द्वारा निपटाया गया था। जिसका अर्थ है कि एकान्त कारावास और अलगाव में अपीलकर्ता की कैद 2006 से 2013 तक कानून की मंजूरी के बिना थी, जो अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांतों के पूरी तरह से खिलाफ है। चीफ जस्टिस यू यू ललित की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, मौजूदा मामले में, एकान्त कारावास की अवधि लगभग 10 वर्ष है। ऐसे में अगर अपीलकर्ता को दी गई मौत की सजा को कम किया जाता है तो न्याय का लक्ष्य पूरा होगा।

कम से कम 30 साल और होगी जेल-अदालत ने कहा, ÷एकान्त कारावास ने अपीलकर्ता के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव दिखाया है। हमारे विचार में, अपीलकर्ता मौत की सजा से कम आजीवन कारावास पाने का करने का हकदार है। कम से कम 30 साल की सजा भुगतनी होगी और यदि उसकी ओर से छूट के लिए कोई आवेदन पेश किया जाता है, तो उसके बाद ही उसके गुण-दोष पर विचार किया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर की हवा जहरीली, कई इलाकों में एक्यूआई 500 पार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के वातावरण में धुंध छाई हुई है। साथ ही हवा की गुणवत्ता में गिरावट लगातार जारी है। शनिवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 431 दर्ज किया गया। हवा की यह गुणवत्ता की 'गंभीर' श्रेणी है। नोएडा (उत्तर प्रदेश) का एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में 529, गुरुग्राम (हरियाणा) में 'गंभीर' श्रेणी में 478 और धीरपुर (दिल्ली) के पास 'गंभीर' श्रेणी में 534 दर्ज किया गया है। पंजाब और हरियाणा में जलने वाली पराली का असर उत्तर और पूर्वी भारत के प्रमुख शहरों में भी दिखने लगा है। यहां की हवा भी बहुत खराब श्रेणी में पहुंच रही है। इससे पहले शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन वायु गुणवत्ता के लिहाज से दिल्ली एनसीआर रेड जोन में रहा। सभी जगहों का एक्यूआई 400 के ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में ही रहा। फरीदाबाद के सेक्टर-11 और 16 में तो यह 500 तक चला गया। दिल्ली के बवाना इलाके में यह 498 तक चला गया। सफर इंडिया का पूर्वानुमान है कि हवा की दिशा बदलने से शनिवार से प्रदूषण का स्तर थोड़ा नीचे आना शुरू हो जाएगा और यह बहुत खराब श्रेणी में पहुंच सकता है। उल्लेखनीय है कि वायु प्रदूषण के गंभीर श्रेणी में पहुंचने और ग्रेप का चौथा चरण लागू होने के साथ ही राजधानी दिल्ली में कई प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके तहत पांच से आठ नवंबर तक प्राइमरी स्कूल बंद रहेंगे। पांचवीं से ऊपर की कक्षाओं की आउटडोर एक्टिविटी बंद रहेंगी। दिल्ली सरकार के कार्यालय 50 प्रतिशत क्षमता से खुलेंगे और 50 प्रतिशत कर्मचारी वर्क फ्राम होम करेंगे। आवश्यक सेवाओं से जुड़े ट्रकों को छोड़कर दिल्ली में अन्य डीजल ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल के हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) भी शनिवार से अगले आदेश तक नहीं चल पाएंगे। यानी एक अप्रैल, 2010 से पहले के पेट्रोल वाहन और एक अप्रैल, 2020 से पहले के पंजीकृत डीजल वाहनों पर रोक रहेगी।

आजाद भारत के पहले मतदाता श्याम नेगी का निधन, जाते-जाते भी हिमाचल चुनाव में कर गए वोटिंग

शिमला। भारत के पहले मतदाता होने का गौरव रखने वाले किन्नौर के श्याम सरन नेगी का निधन हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि मौत से दो दिन दिन पहले वह हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए मतदान करके गए। उनका वोट लेने के लिए चुनाव आयोग की ओर से खास इंतजाम किए गए थे। उन्हें लाल कालीन पर लाया गया था और पूरे सम्मान के साथ वोट लिया गया था। बुजुर्ग होने के चलते मतदान टीम उनके घर पहुंची थी और पोस्टल बैलेट के जरिए मतदान की तारीख से पहले ही वोट लिया था। श्याम सरन नेगी ने देश के पहले आम चुनाव में पहला वोट डाला था और तब से वह कभी भी वोट डालने का मौका नहीं चूके थे। श्याम सरन नेगी की उम्र 106 साल थी और वह कभी मतदान का मौका नहीं चूकते थे। 2 नवंबर को ही श्याम सरन नेगी ने हिमाचल प्रदेश चुनाव के लिए मतदान किया था। वह कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे।

किन्नौर के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर आबिद हुसैन ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से श्याम सरन नेगी के अंतिम संस्कार की तैयारियां की जा रही हैं। उन्हें पूरे सम्मान के साथ विदाई दी जाएगी और इसके लिए बैंड का भी इंतजाम किया गया है। श्याम सरन नेगी का जन्म 1 जुलाई, 1917 को हुआ था। वह किन्नौर के ही कल्पा में अध्यापक के तौर पर कार्यरत थे।

श्याम नेगी को कैसे मिला देश के पहले वोटर का दर्जा

भारत में ब्रिटिश शासन की समाप्ति के बाद जब 1951 में पहली बार आम चुनाव कराए गए थे तो श्याम सरन नेगी पहले शख्स थे, जिन्होंने मतदान किया था। वह 25 अक्टूबर, 1951 को लाइन में लगकर मतदान करने वाले पहले शख्स थे। तब आम चुनाव फरवरी 1952 में हुए थे, लेकिन हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के चलते 5 महीने पहले ही मतदान करा लिया गया था।

इसकी वजह यह थी कि फरवरी में हिमाचल में बड़े पैमाने पर बर्फबारी होती रही है और उसके चलते मतदाताओं का पोलिंग स्टेशन पहुंचना मुश्किल होता। बता दें कि हिमाचल प्रदेश में इस बार भी बर्फबारी के चलते पहले ही चुनाव कराए जा रहे हैं, जबकि गुजरात में दिसंबर में मतदान होना है। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि फिल्म सनम रे में भी श्याम सरन नेगी को दिखाया गया है।

भारतीय सेना ने 'आत्म निर्भरता' को गति प्रदान करने वाली पांच मेक II परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली। आत्म निर्भरता के लिए भारत के दृष्टिकोण को गति देते हुए सेना ने ड्रोन नष्ट करने वाली प्रणाली और सैन्य प्रशिक्षण हथियार सिम्युलेटर सहित पांच 'मेक II' परियोजनाओं को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

स्वदेशी विकास के माध्यम से इन प्रोजेक्ट्स को किया जा रहा है प्रोत्साहित

'मेक II' परियोजनाएं अनिवार्य रूप से उद्योग द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएं हैं जिनमें प्रोटोटाइप के विकास के लिए भारतीय विक्रेताओं द्वारा डिजाइन एवं विकसित किए गए अभिनव समाधान शामिल हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा है, 'भारतीय सेना स्वदेशी विकास के माध्यम से विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को लाने वाले 'मेक प्रोजेक्ट्स' को प्रोत्साहन प्रदान करने का कार्य कर रही है।' बयान में कहा गया कि जारी परियोजनाओं को और बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना ने अब पांच 'मेक II' परियोजनाओं के स्वीकृति आदेश (पीएसओ) को मंजूरी दे दी है। बयान में कहा गया है कि सफल प्रोटोटाइप विकास के बाद आदेश का आश्वासन दिया जाता है।

इन परियोजनाओं को दी गई मंजूरी

जिन परियोजनाओं के पीएसओ को मंजूरी दी गई है उनमें हाई फ्रीक्वेंसी मैन पैक्ड सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो (एचएफएसडीआर), ड्रोन किल सिस्टम, इन्फैंट्री ट्रेनिंग वेपन सिम्युलेटर (आईडब् ल् यूटीएस), 155 एमएम टर्मिनली गाइडेड मुनिशन (टीजीएम), मीडियम रेंज प्रिसिशन किल सिस्टम (एमआरपीकेएस) शामिल हैं। एचएफएसडीआर के प्रोटोटाइप के विकास के लिए पीएसओ जारी किया गया है। प्रोटोटाइप के सफल विकास पर भारतीय सेना द्वारा 300 एचएफएसडीआर खरीदने की योजना है। अत्याधुनिक, हल्के वजन वाले एचएफएसडीआर बढ़ी हुई सुरक्षा के साथ-साथ बढ़ी हुई डेटा क्षमता और बैंड विड्थ के माध्यम से लंबी दूरी का रेडियो संचार प्रदान करेगा। बयान में कहा गया, 'भारतीय सेना पहले से ही पूंजी अधिग्रहण की मेक दो प्रक्रिया के तहत जारी 43 परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है।

कर्नाटक के बीदर में बड़ा सड़क हादसा, ऑटो रिक्शा और ट्रक की भीषण टक्कर, 7 महिलाओं की मौत

बीदर (केटीके)। कर्नाटक के चित्तगुप्पा तालुक के एक गांव में शुक्रवार देर रात ऑटो रिक्शा और ट्रक की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में 7 महिलाओं की मौत और 11 अन्य घायल हो गए। ये महिलाएं मजदूर थीं और ऑटो-रिक्शा में काम करके घर लौट रही थीं, तभी बेमालाखेड़ा सरकारी स्कूल के पास ट्रक से टकरा गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान पार्वती (40), प्रभावती (36), गुंडम्मा (60), यदम्मा (40), जगम्मा (34) ईश्वरम्मा (55) और रुक्मिणी बाई (60) के रूप में हुई है। घायल हुए 11 लोगों में दोनों वाहनों के चालक भी शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि घायलों में 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

कर्नाटक में बढ़ रहे रोड एक्सीडेंट के मामले-इसी साल 15 अगस्त को बीदर में ही एक बड़ा हादसा हुआ था, जिसमें हैदराबाद-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर बांगुर चेक पोस्ट

के पास 5 लोगों की मौत हो गई थी और 4 घायल हुए थे। जिनकी मौत हुई सभी एक ही परिवार के थे। वहीं कार चालक ने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया था। सभी हैदराबाद के शहर बेगमपेट के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित जिस कार में यात्रा कर रहे थे वह एक कंटेनर ट्रक से टकरा गई थी। इससे पहले एक अन्य मामले में कर्नाटक के हासन जिले में 16 अक्टूबर की देर रात एक टेंपो यात्री वाहन और केएमएफ दूध वाहन के बीच आमने-सामने की टक्कर में नौ लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में सात लोग सालापुरा गांव के और दो डोद्दीहल्ली गांव के थे

25 अक्टूबर को हुआ बड़ा सड़क हादसा-चित्रदुर्ग में एक कार के सड़क के डिवाइडर से टकरा जाने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा टूरिस्ट गेस्ट हाउस के पास हुआ।यातायात पुलिस अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चित्रदुर्ग ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, इस हादसे में मरने वाले तीन लोगों में से दो मेदेहल्ली के थे जबकि तीसरा बेंगलुरु का रहने वाला था। मामले की जांच की जा रही है।

चीन ने हिंद महासागर में तैनात किया ताकतवर जासूसी जहाज

नई दिल्ली। ओडिशा के तट पर अब्दुल कलाम द्वीप से एक मिसाइल का परीक्षण होने से पहले हिंद महासागर में चीनी जासूसी जहाज के आने की खबर से भारतीय नौसेना सक्रिय हो गई है। चीनी जासूसी जहाज युआन वांग-6 की आवाजाही पर लगातार नजर रखी जा रही है। भारत को आशंका है कि चीन अपने जासूसी जहाज के जरिये उस मिसाइल को ट्रैक करने की कोशिश कर रहा है, जिसका आने वाले दिनों में परीक्षण होने वाला है। चीन इन जहाजों की मदद से मिसाइल की ट्रैजेक्टरी, स्पीड, रेंज और सटीकता से जुड़ी अहम जानकारियां हासिल कर सकता है।

दरअसल, किसी भी मिसाइल टेस्ट से पहले फायरिंग रेंज में आने वाले क्षेत्रों के लिए चेतावनी जारी की जाती है, इसलिए भारतीय नौसेना ने मिसाइल का परीक्षण करने के अपने इरादे की घोषणा करते हुए 10-11 नवंबर को बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद महासागर तक नो फ्लाई ज़ोन बनाए जाने की घोषणा की थी। ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस स्पेशलिस्ट डेमियन साइमन ने बताया है कि भारत 10-11 नवंबर के बीच ओडिशा के तट पर अब्दुल कलाम द्वीप से एक मिसाइल टेस्ट कर सकता है। इस मिसाइल की फ्लाई रेंज 2,200 किमी. की हो सकती है। इसलिए पश्चिम में श्रीलंका और पूर्व में इंडोनेशिया के बीच उस एरिया को ब्लॉक कर दिया गया है, जो मिसाइल की टेस्टिंग रेंज में है।

इसी बीच मिसाइल परीक्षण से पहले चीन ने हिंद महासागर में अपना ताकतवर जासूसी जहाज युआन वांग-6 भेजा है। तीन महीने

पहले इसी तरह का एक जहाज हंबनटोटा के श्रीलंकाई बंदरगाह में तैनात किया गया था। तैनात किए जा रहे चीनी नौसेना के यह जासूसी जहाज मिसाइल परीक्षणों और उपग्रहों की निगरानी के लिए डिजाइन किए गए हैं। समुद्र में जहाजों की आवाजाही को ट्रैक करने वाली ऑनलाइन संस्था मरीन ट्रैफिक के मुताबिक युआन वांग-6 पहले ही हिंद महासागर में पार कर चुका है और इस समय इंडोनेशिया के बाली तट से नौकायन कर रहा है।

रक्षा सूत्रों के अनुसार हिंद महासागर में चीनी जासूसी जहाज के आने की खबर के बाद से भारतीय नौसेना चौकन्नी हो गई है। कई दिनों से चीनी जासूसी जहाज की आवाजाही पर सक्रिय रूप से नजर रखी जा रही है। भारत की चिंता है कि चीन अब उस मिसाइल को ट्रैक करने की कोशिश कर रहा है जिसका वह आने वाले दिनों में परीक्षण कर सकता है। चीनी जहाज मिसाइल की क्षमताओं जैसे प्रक्षेपवक्र, गति, सीमा और सटीकता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल कर सकता है। भारत अक्सर व्हीलर द्वीप से बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण करता है, जो एक निर्दिष्ट मिसाइल परीक्षण रेंज है।

चीनी नौसेना का ये जासूसी जहाज वांग-5 कैटेगरी का है, जिसे अगस्त, 2022 में श्रीलंका के हंबनटोटा में भेजा गया था। श्रीलंका में यह जहाज 6 दिनों तक तैनात था। जासूसी के खतरे को देखते हुए ही भारत ने श्रीलंका से इस शिप को हंबनटोटा में एंट्री न देने को कहा था। लेकिन बाद में श्रीलंका सरकार ने उसे एंट्री दे दी थी। इस जासूसी शिप को स्पेस और सैटेलाइट ट्रैकिंग में महारत हासिल है। ये शिप अपनी आवाजाही तब शुरू करते हैं, जब चीन या कोई अन्य देश मिसाइल टेस्ट कर रहा होता है। यह शिप लगभग 750 किलोमीटर दूर तक आसानी से निगरानी कर सकता है। 400 क्रू वाला यह शिप पैराबोलिक ट्रैकिंग एंटीना और कई सेंसर्स से लैस है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

एक्ट ऑफ शेम

यह सर्वविदित है कि यह मोरबी पुल हादसा, जिसमें एक सौ चालीस के करीब निर्दोष लोग मारे गये, एक गंभीर आपराधिक लापरवाही का नतीजा है। एक सदी पुराने झूला पुल के जीर्णोद्धार के नाम पर जो बाहरी लीपापोती की गई, उसकी परिणति एक हादसे के रूप में हुई। विडंबना देखिये कि जिन तारों पर पुल का भार टिकना था, उन्हें बदला ही नहीं गया। इस बात की जांच नहीं की गई कि यह पुल कितना भार सहन करने की क्षमता रखता है।

करतूतों को प्रभु इच्छा बताना शर्मनाक/ गुजरात के मोरबी पुल की देखरेख करने वाली कंपनी के एक प्रबंधक द्वारा अदालत को हादसे की वजह प्रभु इच्छा बताने का कृत्य व्यथित करने वाला है। यह बात स्पष्ट है कि अदालत के सामने ऐसा निर्लज्जता का बयान देने की हिमाकत कोई संवेदनहीन व्यक्ति ही कर सकता है। यह सर्वविदित है कि यह मोरबी पुल हादसा, जिसमें एक सौ चालीस के करीब निर्दोष लोग मारे गये, एक गंभीर आपराधिक लापरवाही का नतीजा है। एक सदी पुराने झूला पुल के जीर्णोद्धार के नाम पर जो बाहरी लीपापोती की गई, उसकी परिणति एक हादसे के रूप में हुई। विडंबना देखिये कि जिन तारों पर पुल का भार टिकना था, उन्हें बदला ही नहीं गया। इस बात की जांच नहीं की गई कि यह पुल कितना भार सहन करने की क्षमता रखता है। पुल आम लोगों के लिये खोलने से पहले स्थानीय प्रशासन ने फिटनेस सर्टिफिकेट भी नहीं दिया। कहा तो यहां तक जा रहा है कि पुल के पुनर्निर्माण का ठेका लेने वाली कंपनी ने दूसरे ठेकेदार को निर्माण काम का जिम्मा दे दिया था, जिसके पास पुल को बनाने की योग्यता ही नहीं थी। जब इतनी सारी मिलीभगत होती रही है तो इसे एक्ट ऑफ गॉड की बजाय राक्षसी कृत्य ही कहा जा सकता है। सवाल यहां यह भी कि पुल के जीर्णोद्धार का ठेका लेने वाले उद्योगपतियों का नाम प्राथमिकी में क्यों नहीं दर्ज किया गया? इतनी आपराधिक भूलों पर पर्दा डालने के लिये इसे प्रभु इच्छा बताया जा रहा है, जो निस्संदेह दुर्भाग्यपूर्ण बयान ही कहा जायेगा। इसी तरह का एक पुल टूटने का प्रकरण पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव के दौरान सामने आया था। तब भी 'एक्ट ऑफ गॉड और एक्ट ऑफ करप्शन' का मामला गूंजा था। मोरबी पुल हादसे के बाद वही प्रसंग फिर चर्चाओं में है। जिसकी व्याख्या तंत्र की नाकामी और उसे छिपाने की राजनीतिक बयानबाजियों के रूप में की जा रही है। सवाल है कि किसी बड़े हादसे के लिये दोषी कंपनी का मैनेजर अदालत के सामने बिना किसी वरदहस्त के ऐसा बयान देने का साहस आखिर कैसे जुटा सकता है? यह देश का दुर्भाग्य है कि सार्वजनिक निर्माण से जुड़े ऐसे हादसों में निर्दोष लोगों की मौत की अनवरत शृंखला जारी है। लेकिन इसके लिये जिम्मेदार ठेकेदार, इंजीनियरों व संबंधित मंत्री की भूमिका पर सख्त कार्रवाई नहीं होती। दरअसल, देश में ठेकेदारों, पूंजीपतियों व राजनेताओं का एक ऐसा तंत्र विकसित हो गया है कि अपराधियों को बचाने के लिये सुरक्षा कवच गढ़ लिया जाता है। राजनीतिक बदलाव के बाद यदि कोई कार्रवाई होती भी है तो बदले की भावना के चलते ही होती है। यह यक्ष प्रश्न ही बना हुआ है कि कैसे-कैसे अयोग्य लोगों को महत्वपूर्ण ठेके दे दिये जाते हैं। जाहिर बात है कि बिना राजनीतिक संरक्षण के यह संभव नहीं हो पाता। ठेके के लिये निविदाओं में हेराफेरी करके अयोग्य लोगों को ये ठेके मिल जाते हैं, जिसका कमीशन कई स्थानों पर चढ़ता है। यह कमीशन जनता के हिस्से से ही जाता है। तभी तो पहली बरसात में ही सड़क का बैठ जाना, पुल का टूट जाना और छोटे बांधों का दरक जाना अब आम हो चला है। कमीशनखोरी के चलते इनके निर्माण में गुणवत्ता का सामान नहीं लग पाता जिसके चलते जल्दी ही निर्माण कार्य दरकने लगता है। धनबली व बाहुबली, इन दागियों को संरक्षण देने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। फिर किसी हादसे में निर्दोष लोगों के मरने पर उसे एक्ट ऑफ गॉड बताने का शर्मनाक बयान देने लगते हैं। दरअसल, आज जरूरत इस बात की है कि देश में होने वाले बड़े सार्वजनिक निर्माण कार्यों की देखरेख किसी केंद्रीय एजेंसी की निगरानी में हो ताकि स्थानीय बाहुबली इसके ठेकों में दखल न दे सकें। साथ ही उन अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए जो निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी निहित स्वार्थों के चलते करते हैं।

सूक्ति

माया मरी न मन मरा, मर मर गये शरीर।
आशा तृष्ना ना मरी, कह गये दास कबीर?
- कबीर

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।
- रहीम

लॉफिंग ज़ोन

प्रोफेसर साहब अपने एक वृद्ध मित्र और उसके पोते के साथ वायुयान से यात्रा कर रहे थे. अचानक वायुयान में आग लग गई. भगदड मच गई. पायलट को पैराशूट लेकर वायुयान से बाहर कूदते देखाकर प्रोफेसर साहब ने भी ऐसा ही किया. अंत में वायुयान में केवल दो लोग बचे थे, एक प्रोफेसर के वृद्ध मित्र और दूसरा पोता. वृद्ध के हाथ में पैराशूट था. अचानक उसका पोता जोर-जोर से रोने लगा. वृद्ध ने उसे समझाते हुए कहा, 'रो नहीं बेटा. मैं तो अपना पूरा जीवन जी चुका हूं.' मेरे मरने से अब किसी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा. एक पैराशूट बचा है, तुम अपना जीवन बचा लो.'

'पैराशूट तो यहां भी रखा हुआ है.' बच्चे ने रोते-रोते एक अन्य पैराशूट की तरफ संकेत किया, 'लेकिन प्रोफेसर साहब तो मेरा स्कूल बैग लेकर कूद गए हैं.

☺ ☺ ☺

आत्महत्या के लिए रेल की पटरी पर लेटे व्यक्ति से किसी ने पूछा- भले आदमी यहां क्यों लेटे हो?

मै मरने के लिए यहां आया हूं. उसने जवाब दिया. अच्छा तो ये रोटियां साथ में क्यों रखी हुई है उस आदमी ने पूछा.

जवाब - हो सकता है गाड़ी लेट हो जाए.

☺ ☺ ☺

हिमालयी भूलों के असली गुनहगार

भारत सरकार की कहें तो वहां प्रत्येक स्तर पर हिमालयी भूलें हुई हैं।' यह युद्ध भारत-चीन द्विपक्षीय रिश्तों का परिदृश्य बयान करता है, जिसकी प्रस्तावना एक दशक पहले से लिखी जाने लगी थी। सही मायनों में, भारतीय राजनीति के तत्कालीन अगुवा अनाड़ी किंतु भली नीयत वाले थे न कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के रक्तपिपासु तानाशाह की तरह कपटी, निर्मम और स्वार्थी। भारत ने अपनी आजादी की यात्रा 'नियति से साक्षात्कार' अवस्था और 'मेरे मन भी सपना है' वाली सोच से शुरू की थी।

अभिजीत भट्टाचार्य

भारत पर चीन की चढ़ाई के 60 साल पूरे होने पर अवसर है इस राष्ट्रीय दुर्भाग्य के 'दोषियों' (कल्पाबिलिस) की भूमिका की विवेचना करने का। 'कल्पा' लैटिन भाषा का शब्द है जिससे आगे 'कल्पाबिलिस' बना है अर्थात 'दोषी', लिहाजा यह शब्द टाली जा सकने वाली इस घटना की नैतिक जिम्मेवारी को परिभाषित करता है। तथापि, 1962 में भारतीय सेना की करारी हार टाली जा सकती थी या नहीं, यह आज भी बहस का विषय है। 1962 के युद्ध की चर्चा अधिकांशतः तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू और उनके रक्षामंत्री वीके कृष्ण मेनन की भूमिका पर केंद्रित रहती है और हर कोई इन्हें ही मुख्य दोषी मानता है। आज भी यह चर्चा होती रहती है कि जिन लोगों की जिम्मेवारी सीमा पर दुश्मन का सामना करने हेतु सेना की माकूल तैयारी करवाना थी, यह फर्ज निभाने में वे अपनी काबिलियत या नाकाबिलियत किस हद तक सिद्ध कर गए। किंतु यह तय करने अथवा उन पर लगे इल्जामों का ग्रहण मिटाने को किसी किस्म के तथ्य-खोजी प्रयास नहीं हुए। ऐसे में सवाल उठने लाजिमी हैं, क्योंकि तत्कालीन सिविल और सैन्य नीति निर्माता, दोनों ही, अपने काम में बुरी तरह असफल रहे और युद्ध में मिली शर्मनाक हार के कारणों का इल्जाम खुद पर लगने की पूरी जमीन तैयार कर दी। इस बारे में कोई शक नहीं कि देश के रक्षा तंत्र की जिम्मेवारी तत्कालीन प्रधानमंत्री और उनके नजदीकी रक्षामंत्री मेनन पर थी। फिर भी, तत्कालीन नौकरशाहों की भूमिका पर शायद ही कभी ध्यान दिया गया है। सेना विफल रही और इसके लिए आलोचना भी झेली पर कोई उस वक्त के शीर्ष नौकरशाहों की कारगुजारी के बारे में क्यों नहीं बात करता? हालात कितने भी उथल-पुथल भरे या भड़काऊ रहे हों, कभी अपनी दृढ़ता के लिए विख्यात पूर्व ब्रिटिश राज द्वारा बनाया गया प्रशासनिक तंत्र इस कदर कैसे ढह सकता था, इसको लेकर खिंचाई क्यूं नहीं हुई? क्या रक्षा मंत्री ने सेना द्वारा सरकारी अनुमति के लिए भेजे प्रत्येक प्रस्ताव पर फैसला लेने में अपनी नहीं चलाई? विषय चाहे राजनयिकों और मंत्रालय कर्मियों की उच्चस्तरीय बैठकों के माध्यम से गोलियां-तोपें खरीदने का हो या टैंक अथवा टैंकरों का, मशीनगन हो या विशेष शीत-युद्ध वर्दी का या फिर हिमालयी सीमा के नक्शों का, हरेक में यह नौकरशाह हावी नहीं रहे? क्या तत्कालीन प्रधानमंत्री ने सेना की बजाय सिविल नौकरशाहों की क्षमता और काबिलियत पर अगाध भरोसा और विश्वास नहीं किए रखा? क्या वे राजनीतिक नेतृत्व के आंख और कान नहीं थे? हकीकत को गहराई से जानने को हमें चीनियों की हिरासत में छह महीने और 12 दिन बतौर युद्धबंदी रहे ब्रिगेडियर जॉन दलवी की लिखी कुछ पंक्तियों का संदर्भ लेना होगा। दिल्ली पहुंचने पर वे तत्कालीन सेनाध्यक्ष से मुलाकात करने गए, दलवी ने सेना प्रमुख के बोलों को शब्दशः दोहराया है = 'रिपोर्ट लिखो... ताकि हमें सीखने को मिले और भविष्य में तश्तरी में रखकर ब्रिगेड चीनियों को न देनी पड़े।' कितनी हैरानी की बात है! क्यों नहीं किसी को यह सीधा और मूल सवाल सूझा कि कब, क्यों और किसके आदेश पर 'तश्तरी पर रखकर ब्रिगेड चीनियों को' देने की नौबत बनी? क्या यह हालात तत्कालीन प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री से फैसलों से बने? निजी या सामूहिक तौर पर? इस प्रकार के फैसले क्या सैन्य कमान की आदेशात्मक शृंखला को हाशिए पर रखना नहीं था? सेना की हमलावर इकाइयों की तैनाती और बंदोबस्त की कमान, नियंत्रण और संदेश का तंत्र वास्तव में किसके अधीन होना चाहिए था? विडंबना कि इसका जवाब युद्धबंदी रहे ब्रिगेडियर दलवी की कलम से ही निकला है, जिन्होंने प्रभावशाली ढंग से 1962 युद्ध के संपूर्ण पहलुओं का बखान- निर्मम ईमानदारी से- महज 6 पंक्तियों में किया : '1962 एक राष्ट्रीय विफलता थी, जिसका दोषी प्रत्येक भारतीय है। यह प्रशासन के उच्च स्तर पर युद्ध परिचालन की नाकामयाबी है। विपक्ष की असफलता है। मुझ सहित सारी फौज की हार है। यह जिम्मेवाराना जनविचार और प्रेस की भी असफलता है। भारत सरकार की कहें तो वहां प्रत्येक स्तर पर हिमालयी भूलें हुई हैं।' यह युद्ध भारत-चीन द्विपक्षीय रिश्तों का परिदृश्य बयान करता है, जिसकी प्रस्तावना एक दशक पहले से लिखी जाने लगी थी। सही मायनों में, भारतीय राजनीति के तत्कालीन अगुवा अनाड़ी किंतु भली नीयत वाले थे न कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के रक्तपिपासु तानाशाह की तरह कपटी, निर्मम और स्वार्थी। भारत ने अपनी आजादी की यात्रा 'नियति से साक्षात्कार' अवस्था और 'मेरे मन भी सपना है' वाली सोच से शुरू की थी। सही या गलती से, आजाद भारतीय नेतृत्व ने राजनीतिक खूनखराबे की राह कभी भी नहीं पकड़ी और यहीं पर अपने इलाकाई हक को लेकर यथेष्ट आक्रामकता रखने में भारतीय नीतियों की कमजोरी आड़े आ गई। अहिंसा का चाव और विवादित मुद्दों पर भारत द्वारा अपनाई गई राजनयिक राह चीन की युद्ध अभ्यस्त सेना और नेताओं के इरादों से मेल नहीं खाती, जिनका रिकार्ड 25 बरस चले गृहयुद्ध में 2 करोड़ से अधिक अपने लोगों की हत्या का था। इसलिए 1962 की विद्रूपता यह है कि 1958 तक हिमालयी सीमा को लेकर हिंदुस्तान-हान मैत्री में रार का लेशमात्र भी संकेत नहीं था। भारत और चीन के बीच संबंध अत्यंत मधुर थे। दोनों के लिए सीमा के पूरबी छोर पर सुस्पष्ट निशानदेही वाली मैकमोहन रेखा ही असल सीमारेखा थी। जबकि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और सेना की महत्वाकांक्षा पश्चिमी प्रभाग (तिब्बत-शिनजियांग गलियारा) में अलग थी। इसलिए दोनों मुल्कों के लिए तसल्लीबख्श स्थिति पाने के लिए आवश्यक था राजनयिक माध्यम से समझौते की मेज पर संधि बनना। लेकिन यह होना नहीं था और युद्ध से पाला पड़ा। 1962 के युद्ध पर विदेशी पत्रकार नेविले मैक्सवैल द्वारा जुगत लगाकर पाई गई अति-गोपनीय भारतीय सैन्य जांच रिपोर्ट के आधार लिखी पुस्तक 'भारत का चीन युद्ध' उस समय सबसे अधिक बिकने वाली किताबों में एक रही। हालांकि मंत्रालय के अधिकारियों की मिलीभगत से प्राप्त इस रिपोर्ट पर आधारित यह लेखनी इससे अधिक पक्षपाती और एकतरफा नहीं हो सकती, क्योंकि चीनी दस्तावेजों तक पहुंच बनाए बिना केवल भारत की लोकतांत्रिक नीति को दोषी मानना कहां का न्याय है। यह रिपोर्ट लीक होना प्रशासनिक गोपनीयता कानून-1923 के तहत अपराध है, इसके बावजूद किसी को पकड़ा तक नहीं गया। अधिकारियों के इस गैर जिम्मेवाराना और आपराधिक कृत्य का है किसी के पास जवाब? सच है कि 1962 की हार की जिम्मेवारी प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री तक जाकर खत्म होती है लेकिन इन्हीं प्रधानमंत्री ने अनेकानेक मौकों पर चीन के 'द्वेष और धूर्तता' का जिक्र किया था, यहां तक कि 20 नवम्बर, 1950 जैसे आरम्भिक समय में भी, लोकसभा में अपनी प्रतिबद्धता के साहस का परिचय देते हुए (जब चीन ने तिब्बत पर चढ़ाई कर हड़पा था) कहा : 'हमारे नक्शे दिखाते हैं कि मैकमोहन रेखा हमारी सीमारेखा है और यह हमारे लिए सीमारेखा है, नक्शा हो या न हो। तथ्य यही है, हम इस रेखा पर अडिग हैं और किसी को इस सीमा के पार आने नहीं देंगे।' हालांकि 1950 में उन्होंने ये बोल बेधड़क होकर कहे थे किंतु जो कुछ अक्तूबर-नवम्बर 1962 में हुआ, वह भारी पतन था। ईमानदार नीयत का भयावह क्रियान्वयन। यहां फौज की एक कहावत याद आती है : 'खराब सैनिक नहीं, खराब कमांडर होता है।' इसी तर्ज पर सिविल संदर्भ में कहें तो :'खराब नागरिक नहीं, खराब शासक होता है'। जो भी है, 1962 की हार के लिए सिविल-सेना तंत्र अपनी संयुक्त जिम्मेवारी से बच नहीं सकता।

लेखक स्तंभकार हैं।

भारतीय व्यवस्था में इंसानी जान की कीमत बताते ये हादसे

(लेखिका-निर्मल रानी)

गुजरात के मोरबी में माच्छू नदी पर बने एक प्राचीन व ऐतिहासिक 'झूला पुल ' के गत 30 अक्टूबर की शाम अचानक टूट जाने से पेश आये दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में एक बार फिर लगभग 145 मासूम देशवासियों की जान ले ली। झूला पुल टूटने के परिणाम स्वरूप सैकड़ों लोग माच्छू नदी में गिर गए और कई लोगों की नदी में डूबने या चोट लगने से मौत हो गई। हादसे के शिकार कई लोग अब भी लापता हैं इसलिये मृतकों की संख्या और भी बढ़ने की आशंका बनी हुई है। लगभग डेढ़ सौ वर्ष पूर्व मोरबी के राजा सर वाघजी ठाकोर द्वारा उस समय की आधुनिक यूरोपीय तकनीक का उपयोग करते हुये निर्मित कराये गये इस झूला पुल का उद्घाटन 20 फ़रवरी 1879 को मुंबई के तत्कालीन गवर्नर रिचर्ड टेम्पल के हाथों किया गया था। मोरबी रियासत के शाही दिनों की याद दिलाने वाला यह पुल एक प्राचीन 'कलात्मक और तकनीकी चमत्कार' के रूप में भी देखा जाता था। बहरहाल,यह ऐतिहासिक पुल भी देश के विभिन्न राज्यों में समय समय पर होने वाले अनेक हादसों की ही तरह टूट गया। और हर बार की तरह इस बार भी देश की शासन व्यवस्था द्वारा वही पुराने घिसे पिटे राग अलापे गये। किसी को दुःख हुआ,कोई रोने का नाटक करने लगा,किसी ने मुआवज़ा घोषित किया,किसी ने मरने वालों पर दुःख कम तो बचाव कार्यों में दिखाई गयी तत्परता की तारीफ़ अधिक की। इस हादसे के लिये एक दूसरे को ज़िम्मेदार ठहराने व विभिन्न राजनैतिक दलों द्वारा एक दूसरे पर 'राजनीति ' करने का दौर भी पूर्ववत चला। इस हादसे के लिये कथित तौर पर 'ज़िम्मेदार' ठहरायी गयी व इसका रखरखाव करने वाली किसी नाममात्र कंपनी के कुछ लोगों को गिरफ़्तार कर 'डबल इंजन' की सरकारों ने भी अपनी तत्परता का परिचय देने की कोशिश की। काफ़ी समय से क्षतिग्रस्त व बंद पड़े इस पुल को गुजरात राज्य में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र जहां चंद दिनों पहले ही इसे पुनः जनता के लिये जल्दबाज़ी में शुरू कराने का सरकार पर आरोप लगाया जा रहा है और इसी जल्दबाज़ी को हादसे का मुख्य कारण भी बताया जा रहा है वहीं राज्य सरकार ने इस हादसे के बाद राज्य में एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा कर मृतक,पीड़ित व प्रभावित लोगों के प्रति अपनी हमदर्दी का इज़हार करने की कोशिश की। जितने लोगों ने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म्स पर मोरबी में माच्छू नदी पर बने इस 'झूला पुल' के ध्वस्त होने संबंधित वीडिओज़ देखीं उससे शायद कुछ ही कम लोगों ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोलकाता में 2016 में बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान दिया गया उनका वह चुनावी भाषण सुना जिसमें उन्होंने इसी तरह 31 मार्च 2016 को कोलकाता में विवेकानंद रोड फ़्लाई ओवर गिर जाने के बाद ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था- 'यह भगवान की ओर से एक संकेत है कि किस तरह की सरकार चलाई गई। चूँकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उस समय इस दुर्घटना को, जिसमें 27 लोग अपनी जानें गँवा बैठे थे और विपक्षी भाजपा इसे चुनावी मुद्दा बनाकर ममता सरकार पर हमलावर थी,इसे 'एक्ट ऑफ़ गॉड' बताने जैसा ग़ैर ज़िम्मेदाराना बयान दिया था इसीलिये प्रधानमंत्री ने इस तर्क के जवाब में इसे 'एक्ट ऑफ़ गॉड' नहीं बल्कि एक्ट ऑफ़ फ़्रॉड बताया था। प्रधानमंत्री ने उस फ़्लाई ओवर हादसे पर 'ज़बरदस्त राजनीति' करते हुये अपने विशेष अंदाज़' में और भी बहुत कुछ कहा था।

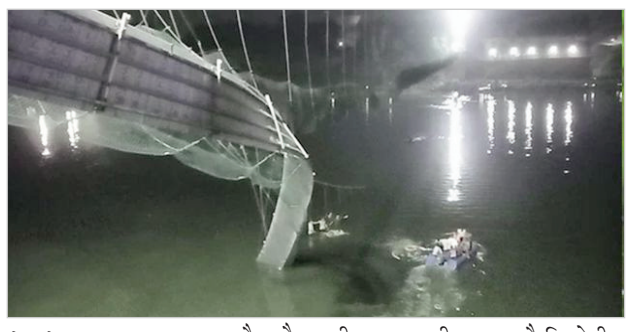

सवाल यह है कि चाहे वह मोरबी की ताज़ातरीन 'झूला भंजन' की घटना हो या कोलकाता की 31 मार्च 2016 की विवेकानंद रोड फ्लाईओवर दुर्घटना। यदि और पीछे चलें तो चाहे वह 13 जून 1997 को दिल्ली के ग्रीन पार्क स्थित उपहार सिनेमा हाल में लगी वह आग जिसमें 59 लोग झुलसकर या दम घुटने से मरे या देश में प्रायः ज़हरीली शराब पीकर मरने वाले लोग। ओवर लोड स्टीमर अथवा नाव में बैठने के बाद देश की अनेक नदियों में दुर्घटनावश डूबकर मरने वाले लोग हों या अगस्त 2017 में गोरखपुर में बी आर डी मेडिकल कॉलेज में सरकारी लापरवाही के चलते मरने वाले 30 से अधिक बच्चे,या इसी तरह की यू पी व बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था की धज्जियाँ उड़ाने वाली और भी अनेक घटनायें। सड़क पर आवारा घूमते पशुओं के हमले से या उनसे टकराकर मरने या घायल होने वाले लोग हों या ज़हरीला व प्रदूषित जल पीने से मरने व बीमार पड़ने वाले या फिर कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी से मरने वाले वह हज़ारों लोग जिनकी मौत से सरकार अपना पल्ला भी झाड़ चुकी है। शहरी बाढ़-बारिश व नहरों व तटबंधों के टूटने से होने वाली जान-माल की क्षति हो ग़रीबी,भुखमरी व क़र्ज़ के चलते मरने या आत्म हत्या करने वाले या कुपोषण का शिकार हमारे देश के नौनिहाल। इन जैसी और भी तमाम वास्तविकताओं से जूझते हमारे देश में एक बात तो सामान्य है कि इनमें आम तौर पर बेगुनाह व साधारण इंसान को ही जान व माल का नुक़सान उठाना पड़ता है। और दूसरी बात यह भी सामान्य है कि ऐसी घटनाओं के बाद पक्ष विपक्ष एक दूसरे को ज़िम्मेदार ठहराते हैं। लीपपोती की जाती है,शासन प्रशासन का प्रत्येक संबंधित विभाग या अधिकारी अथवा नेता सभी स्वयं को बचाने व दूसरे को ज़िम्मेदार ठहराने की कोशिश में लग जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि लीपापोती के इस खेल में कुछ दिन बीतते ही लोग ऐसे हादसों को भूलने लग जाते हैं। घटना का कारण क्या था,उसके ज़िम्मदारों को क्या दंड मिला यह बातें काल के गर्भ में समा जाती हैं। देश आगे बढ़ निकलता है और चतुर चालाक व शातिर राजनीति उससे जुड़ी भ्रष्ट,लापरवाह,ग़ैर जवाबदेह शासन व्यवस्था पुनः नये हादसों का ताना बाना बुनने में लग जाती है। झूठ,मक्कारी,आरोप प्रत्यारोप,स्वार्थ पूर्ण राजनीति से सराबोर इस व्यवस्था में चाहे कोई भी राज्य हो या किसी भी राजनैतिक दल की सरकार, देश में घटने वाली ऐसी दुर्घटनायें देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को यह बताने के लिये काफ़ी है कि विश्व गुरु बनने के 'आउटर सिग्नल' पर खड़ा और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की दौड़ में शामिल हमारे देश और भारतीय व्यवस्था में इंसानी जान की क़ीमत क्या है।

(चिंतन-मनन)

प्रार्थना की शक्ति का महत्व...

मनुष्य का जीवन उसकी शारीरिक एवं प्राणिक सत्ता में नहीं, अपितु उसकी मानसिक एवं आध्यात्मिक सत्ता में भी आकांक्षाओं तथा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए और कामनाओं का है। जब उसे ज्ञान होता है कि एक महत्तर शक्ति संसार को संचालित कर रही है, तब वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, अपनी विषम यात्रा में सहायता के लिए, अपने संघर्ष में रक्षा के लिए आय प्राप्त करने के लिए प्रार्थना द्वारा उसकी शरण लेता है। प्रार्थना द्वारा भगवान की ओर साधारण धार्मिक पहुंच, अपने को ईश्वर की ओर मोड़ देने के लिए यह हमारी प्रार्थनारूपी विधि हमारी धार्मिक सत्ता का मौलिक प्रयत्न है, और एक सार्वभौम सत्य पर स्थित है- भले ही इसमें कितनी भी अपूर्णताएं हों और सचमुच अपूर्णताएं हैं भी। प्रार्थना के प्रभाव को प्राय? संदेह की दृष्टि से देखा जाता है और स्वयं प्रार्थना निरर्थक तथा निष्फल समझी जाती है। वैश्व संकल्प सदैव अपने लक्ष्य को ही कार्यान्वित करता है। वह सर्वज्ञ होने के कारण अपने वृहत्तर ज्ञान से कर्तव्य पहले ही जान लेता है, परंतु यह व्यवस्था यांत्रिक नियम से नहीं, बल्कि कुछ शक्तियों एवं बलों के द्वारा कार्यान्वित होती है। यह मानव संकल्प, अभीप्सा और श्रद्धा का एक विशेष रूप मात्र है। प्रारंभ में प्रार्थना निम्न स्तर भी हमारे सबंध को तैयार करने में सहायता पहुंचाती है। मुख्य वस्तु इस प्रकार का साक्षात संबंध, मनुष्य का ईश्वर से संपर्क, सचेतक आदान-प्रदान न कि पार्थिव वस्तु की प्राप्ति। अपनी मानसिक रचना के निर्माण के बाद यदि व्यक्ति अपने को 'ईश कृपा' पर समर्पित कर देता है, और इसमें भरोसा रखता है, तो उसको अवश्य ही सफलता मिलेगी। यदि कोई ईश्वर की कृपा का मात्र आह्वान करता है, तो अपने को उसके हाथों में सौंप देता है, तो वह विशेष अपेक्षा नहीं करता। प्रार्थना को सूत्रबद्ध करके किसी वस्तु के लिए निवेदन करना होगा। व्यक्ति को यह सवाल नहीं करना चाहिए। यदि सचाई के साथ सच्ची आंतरिक भावना के साथ याचना की जाए तो संभव है- वह स्वीकृत हो जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरी तिमाही में 74 फीसदी वृद्धि के साथ 13,265 करोड़ हुआ एसबीआई का मुनाफा

नई दिल्ली।
देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में एकल आधार पर 13,265 करोड़ रुपए का मुनाफा अर्जित किया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 74 प्रतिशत अधिक है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शनिवार को शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि फंसे कर्जों के लिए वित्तीय प्रावधान में कमी आने और ब्याज आय बढ़ने से उसके लाभ में बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही में बैंक का एकल आधार पर लाभ 7,627 करोड़ रुपए रहा था। आलोच्य तिमाही में बैंक की कुल आय भी बढ़कर 88,734 करोड़ रुपए हो गई है, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 77,689.09 करोड़ रुपये थी। पिछली तिमाही में एसबीआई की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 13 प्रतिशत बढ़कर 35,183 करोड़ रुपये हो गई जबकि एक साल पहले यह 31,184 करोड़ रुपये थी। जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता भी बेहतर हुई है। इसकी सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) घटकर सकल अग्रिम का 3।52 प्रतिशत रह गईं जबकि एक साल पहले की इसी तिमाही में यह 4.90 प्रतिशत थी। शुद्ध एनपीए यानी फंसे कर्जों का अनुपात भी घटकर कुल अग्रिम का 0.80 प्रतिशत रह गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह अनुपात 1.52 प्रतिशत था। इसका नतीजा फंसे कर्जों के लिए वित्तीय प्रावधान की जरूरत में गिरावट के रूप में आया है। एक साल पहले फंसे कर्जों के लिए 2,699 करोड़ रुपये का प्रावधान बैंक को करना पड़ा था लेकिन सितंबर तिमाही में यह राशि घटकर 2,011 करोड़ रुपये रह गई। समेकित आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 66 प्रतिशत बढ़कर 14,752 करोड़ रुपये हो गया जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 8,890 करोड़ रुपये था। आलोच्य तिमाही में एसबीआई समूह की कुल आय भी बढ़कर 1,14,782 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 1,01,143.26 करोड़ रुपये थी।

सैमसंग ने 14,400 करोड़ के मोबाइल फोन बेचे

नई दिल्ली ।

सैमसंग इंडिया ने सितंबर-अक्टूबर में 14,400 करोड़ रुपए के मोबाइल फोन बेचे। वर्ष 2022 की पहली तीन तिमाहियों में कंपनी के स्मार्टफोन की बिक्री में 99 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। सैमसंग इंडिया के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि सालाना आधार पर कंपनी के 5जी स्मार्टफोन की बिक्री जनवरी-सितंबर, 2022 में 178 प्रतिशत बढ़ी। उन्होंने बताया कि इस साल त्योहारी सत्र सैमसंग के लिए शानदार रहा। एक सितंबर से 60 दिनों में हमने 14,400 करोड़ रुपए की आय हासिल की।

टाइटन का मुनाफा 30 प्रतिशत बढ़कर 835 करोड़

नई दिल्ली । घड़ी बनाने वाली कंपनी टाइटन का मुनाफा सितंबर में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 30.26 प्रतिशत बढ़कर 835 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। त्योहारी बिक्री की वजह से कंपनी के मुनाफे में बढ़ोतरी हुई है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 641 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने तिमाही के दौरान उसकी कुल आय 22.2 प्रतिशत बढ़कर 9,224 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एक साल पहले समान तिमाही में कंपनी की कुल आय 7,548 करोड़ रुपए रही थी। तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च 21 प्रतिशत बढ़कर 6,680 करोड़ रुपए से बढ़कर 8,082 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

उड़ान ने 350 कर्मचारियों को निकाला!

नई दिल्ली। बी2बी यूनिकॉर्न उड़ान ने अपने लागत घटाने के उपायों के तहत भारत में 300 से 350 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। सूत्रों ने कहा कि कंपनी ने कुछ ऐसे पदों पर छंटनी की है, जहां जरूरत से अधिक कर्मचारी थे। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि कंपनी ने 300 से 350 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। संपर्क करने पर उड़ान ने छंटनी की पुष्टि की। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि उसने कितने कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है।

ओला के इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की हो रही तगड़ी सेल

-कंपनी का अक्टूबर 20,000 यूनिट्स सेल करने का दावा

नई दिल्ली । ओला कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की तगड़ी बिक्री हो रही है। ताजा जानकारी के मुताबिक ओला इलेक्ट्रिक ने अक्टूबर 20,000 यूनिट्स सेल कर दी है। मंथ ऑन मंथ के मामले में 8,000 यूनिट्स की ग्रोथ कंपनी ने दर्ज की।ये आंकड़े छूने वाली ओला भारत की पहली कंपनी बन गई है। बैंगलोर स्थित ईवी कंपनी ने ओकिनावा, एम्पीयर, हीरो इलेक्ट्रिक, एथर एनर्जी, टीवीएस और बजाज सहित अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ दिया। इन कंपनियों ने क्रमशः 11,754 यूनिट्स, 8,812 यूनिट्स, 8,348 यूनिट्स, 6,976 यूनिट्स, 5,205 यूनिट्स और 3,265 यूनिट्स की कुल बिक्री दर्ज की। त्योहारी सीजन के इस महीने के दौरान, पूरे इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार ने लगभग 30 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ अपनी अब तक की सबसे अधिक सेल दर्ज की। सितंबर 2022 में, ओला इलेक्ट्रिक ने मार्च 2023 तक पूरे भारत में 200 से सेंटर शुरू करेगी। ये टचप्वाइंट कंपनी को अपने इलेक्ट्रिक स्कूटरों को अपने ग्राहकों को बेहतर ढंग से दिखाने और समझाने में मदद करेंगे। मॉडल एक छोटे 2.5केडब्ल्यूएच क्षमता के बैटरी पैक का उपयोग करता है जो हब-माउंटेड 4.5केडब्ल्यू, इलेक्ट्रिक मोटर से जुड़ा होता है। ओला एस1 एयर को इको मोड में 101 किमी की रेंज और 90 किमी प्रति घंटे की मैक्सिमम स्पीड देने का दावा किया गया है। एस1 एयर के बैटरी पैक को होम चार्जर से पूरी तरह चार्ज होने में 4 घंटे 30 मिनट का समय लगता है। यह तीन राइडिंग मोड्स- इको, नॉर्मल और स्पोर्ट्स के साथ आता है। ई-स्कूटर को टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क और ट्विन रियर शॉक एब्जॉर्बर से लैस किया गया है।रिपोर्ट्स की मानें तो ओला एक्सपीरियंस सेंटर्स आफ्टर सेल्स और सर्विस टचप्वाइंट की तरह भी काम करेंगे।हाल ही में लॉन्च किए गए ओला एस1 एयर, ओला एस1 और एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटरों के सस्ते वेरियंट्स ने कंपनी की कुल सेल को बढ़ावा देने में मदद की है। ओला ने पहले ही कन्फर्म कर दिया है कि नए ई-स्कूटर की डिलिवरी 2023 की पहली तिमाही में शुरू हो जाएगी।

5जी तकनीक से भारत डिजिटल सशक्तिकरण लक्ष्य हासिल करने में सक्षम होगा: वाघेला

नई दिल्ली । भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. पी.डी. वाघेला ने कहा कि 5जी तकनीक के आने से भारत डिजिटल सशक्तिकरण के लक्ष्य को हासिल करने और लोगों को अधिक सुविधा प्रदान करने में सक्षम होगा। उन्होंने यहां एक वर्कशॉप में कहा कि 5जी तकनीक नेटवर्क सिस्टम में महत्वपूर्ण सुधार पेश करेगी और इसमें उद्योगों और समाज को बदलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इससे देश में विकास और मजबूत होगा और इसका विभिन्न उद्योगों और अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। वाघेला ने यह भी कहा कि 117 करोड़ दूरसंचार ग्राहकों और 82.5 करोड़ ब्रॉडबैंड ग्राहकों के साथ भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार है। भारत ने दो चीजों के लिए टेक्नोलॉजी को विशेष माना है, पहला- तीव्र आर्थिक विकास के लिए और दूसरा- सामाजिक और डिजिटल समावेश के लिए। उनके अनुसार, डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ाने में बहुत मदद की है और डिजिटल इंडिया प्रोफाइल के कारण विभिन्न क्षेत्रों में भारी बदलाव देखा गया है। ट्राई प्रमुख ने यह चर्चा भी की कि पूर्वोत्तर राज्यों में मुद्दों और चुनौतियों पर विचार करते हुए हितधारकों को 5जी के इंफ्रास्ट्रक्चर को कैसे तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य फोकस पिछड़े क्षेत्रों सहित सभी को इंटरनेट और डिजिटल पहुंच प्रदान करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समाज का हर वर्ग इंटरनेट से कनेक्ट हो सके।

हर दिन ट्विटर को हो रहा 32 करोड़ का नुकसान, छंटनी के अलावा कोई विकल्प नहीं: मस्क

- मस्क ने भारत में पूरी मार्केटिंग और कम्युनिकेशन टीम को किया बर्खास्त

नई दिल्ली ।

ट्विटर में छंटनी को लेकर कंपनी के प्रमुख एलन मस्क ने कहा है कि उनके पास और कोई विकल्प नहीं था। मस्क ने ट्विटर का श्रम बल घटाने को लेकर शनिवार को ट्वीट किया, जब कंपनी हर दिन 40 लाख डॉलर (32 करोड़ रुपए से अधिक) का घाटा झेल रही हो तब दुर्भाग्यवश और कोई विकल्प नहीं रह जाता है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को भी कंपनी छोड़ने के लिए कहा गया है उन्हें 3 महीने का वेतन दिया गया है जो कानूनी अनिवार्यता से 50 फीसदी अधिक है। खबरों के अनुसार मस्क ने भारत में पूरी मार्केटिंग और कम्युनिकेशन टीम को बर्खास्त कर दिया है जबकि इंजीनियरिंग, सेल्स और पार्टरनशिप टीम भी प्रभावित हुई है। ट्विटर इंडिया की 50 फीसदी से अधिक टीम को बाहर कर दिया गया है। छंटनियों को लेकर ट्विटर इंडिया की ओर से कोई आधिकारिक बयान फिलहाल नहीं आया है।मस्क ने हाल ही में वैरिफाइड अकाउंट, ब्लू टिक के लिए हर महीने 8 डॉलर (करीब 660 रुपए) का शुल्क लगाने की घोषणा की है। मस्क ने इसके तर्क दिया है कंपनी का रेवेन्यू बढ़ाने और फर्जी वैरिफाइड अकाउंट्स से माइक्रोब्लॉगिंग साइट को बचाने के लिए यह कदम जरूरी है। हालांकि मस्क पहले इसे 20 डॉलर प्रतिमाह करने वाले थे लेकिन भारी आलोचना के बीच उन्होंने इसे 8 डॉलर करने का फैसला लिया। उन्होंने इस पर मिल रही आलोचनाओं को लेकर कहा था कि कुछ अमीरों को इस बात से दुख नहीं है कि उन्हें 8 डॉलर चुकाने होंगे उन्हें इस बात से दुख है कि कोई भी 8 डॉलर चुका सकता है। मस्क ने ट्विटर का नियंत्रण अपने हाथ में लेते ही सबसे पहले कंपनी के सीईओ पराग अग्रवाल और सीएफओ नेड सेगल को बाहर का रास्ता दिखा दिया था। इसके बाद उन्होंने पूरा निदेशक मंडल की बर्खास्त कर दिया। अब वह कंपनी के इकलौते डायरेक्टर हैं जिसे उन्होंने अस्थाई बदलाव कहा है। मस्क के इस फैसले के बाद कयास लगने शुरू हो गए थे कि ट्विटर में बड़े स्तर पर छंटनियों का दौर शुरू होने वाला है। खबरों के अनुसार भारत में ट्विटर अपनी मौजूदा वर्क फोर्स में से 75 फीसदी लोगों को बाहर का रास्ता दिखा सकता है।

हीरो इलेक्ट्रिक 2,500 करोड़ निवेश कर 2026 तक 40 लाख अतिरिक्त दोपहिया वाहन बनाएगी

- निवेश का पहला चरण राजस्थान में एक नए कारखाने के लिए होगा

नई दिल्ली ।
हीरो इलेक्ट्रिक 2,500 करोड़ रुपए का निवेश कर 2026 तक 40 लाख अतिरिक्त दोपहिया वाहनों बनाने के लक्ष्य को लेकर चल रही है। निवेश का पहला चरण राजस्थान में एक नए कारखाने के लिए होगा, जहां विक्रेता इकाइयां एक और 400 करोड़ का निवेश करेंगी। दूसरे चरण के तहत दक्षिण भारत में निवेश किया जाएगा, जिसके लिए एक संयंत्र के स्थान की तलाश की जा रही है। दोनों कारखाने एक समान आकार और बराबर निवेश के होंगे। फर्म के पास 500,000 वाहनों के निर्माण की क्षमता है। कंपनी 45 लाख इकाई प्रति वर्ष बना रही है, जो ओला इलेक्ट्रिक की उत्पादन क्षमता से आधी है। ओला एक करोड़ इलेक्ट्रिक वाहन बनाने की क्षमता वाली एक फैक्ट्री का निर्माण कर रही है। हीरो की योजना 1,000 करोड़ रुपए से अधिक जुटाकर कंपनी का विस्तार करना है और वह निजी इक्विटी (पीई) फंडों के साथ बातचीत कर रही है। यह दूसरी बार है जब कंपनी पीई फंड वाली कंपनियों से पैसा जुटाने का सहारा ले रही है। अपनी महत्वाकांक्षी इलेक्ट्रिक स्कूटर विस्तार योजना के बारे में बताते हुए देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटर कंपनी के प्रबंध निदेशक नवीन मुंजाल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उद्योग 2023-24 (वित्त वर्ष 24) तक 10 लाख इकाई ई-वाहन बनाने के लक्ष्य तक पहुंच जाएगा। कंपनी के रिसर्च के अनुसार, कंपनी 2026-27 तक 90 लाख इकाई के उत्पादन तक पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनी 2026 तक लगभग 40 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का उत्पादन करना चाहती है। इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार तेज हो रहा है और आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) से इलेक्ट्रिक की ओर बदलाव स्पष्ट रूप से इसके तेजी से आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। यह बदलाव इस बात की ओर इशारा करता है कि कंपनी क्यों बिक्री को तीन गुना से अधिक बढ़ाने का लक्ष्य बना रही है। कंपनी 2022-23 में अनुमानित 160,000 इकाई से वित्त वर्ष 24 में 500,000 इकाई तक उत्पादन क्षमता बढ़ाना चाहती है। उन्होंने कहा कि वह जो निवेश करने की योजना बना रहे है, उसमें वर्तमान में किए जा रहे अनुसंधान और विकास खर्च में भारी बढ़ोतरी शामिल नहीं है।

दूसरी तिमाही में पावरग्रिड कॉर्पोरेशन के शुद्ध लाभ में 8 फीसदी वृद्धि, अंतरिम लाभांश की घोषणा

नयी दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली बिजली कंपनी पावरग्रिड कॉरपोरेशन ने शनिवार को बताया कि वित्त वर्ष 202-23 की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा 8 प्रतिशत बढ़कर 3,650.16 करोड़ रुपये हो गया। पावरग्रिड ने बीएसई को दी गई एक नियातकीय सूचना में कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में आय बढ़ने से उसके लाभ में बढ़ोतरी हुई है। इसके एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 3,376.38 करोड़ रुपए था। कंपनी की कुल आय समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 11,349.44 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 10,514.74 करोड़ रुपए थी। इस बीच कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए शेयरधारकों को 10 रुपए प्रति इक्विटी शेयर पर प्रति शेयर पांच रुपए (चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 50 प्रतिशत) का अंतरिम लाभांश देने का फैसला भी किया गया।

पावरग्रिड POWERGRID

दुनिया में सबसे ज्यादा महंगाई तुर्की और अर्जेंटीना में

- 10वें नंबर पर भारत, मुद्रास्फीति की दर 7.4 प्रतिशत

नई दिल्ली ।

दुनियाभर में बढ़ती महंगाई से लोग परेशान हैं और वार्षिक मुद्रास्फीति दर असामान्य रूप से उच्च स्तर (85 प्रतिशत तक) पर है। महंगाई पर नियंत्रण पाने के लिए भारत में आरबीआई समेत अन्य देशों के सेंट्रल बैंक ब्याज दरों में लगातार आक्रामक रूप से बढ़ोतरी कर रहे हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार को ब्याज दर में 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी की। यह ब्याज दरों में हुई इस साल की छठी वृद्धि थी। वहीं बैंक ऑफ इंग्लैंड ने भी ब्याज दर 2.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 3 प्रतिशत कर दिया है, जो 33 वर्षों में सबसे ज्यादा है। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा महंगाई तुर्की और अर्जेंटीना में है, यहां वार्षिक मुद्रास्फीति की दर 83 फीसदी से ज्यादा है। तुर्की में मुद्रास्फीति की दर 85.51 प्रतिशत है और यह 24 साल का उच्च स्तर है. उच्च मुद्रास्फीति के बावजूद राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन के कहने पर केंद्रीय बैंक अपनी नीतिगत दरों में कटौती कर रहा है। बढ़ती महंगाई के मामले में तुर्की के बाद अर्जेंटीना है, जहां मुद्रास्फीति की दर वर्तमान में 83 प्रतिशत है। नीदरलैंड में 14.5 प्रतिशत है; रूस (13.7 प्रतिशत, इटली (11.9 प्रतिशत), जर्मनी (10.4 प्रतिशत), यूके (10.1 प्रतिशत), यूएस (8.2 प्रतिशत) और दक्षिण अफ्रीका (7.5 प्रतिशत) है। वर्तमान में भारत में मुद्रास्फीति की दर 7.4 प्रतिशत है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में 7.3 प्रतिशत, ब्राजील (7.1 प्रतिशत), कनाडा (6.9 प्रतिशत), फ्रांस (6.2 प्रतिशत), इंडोनेशिया (5.9 प्रतिशत), दक्षिण कोरिया (5.6 प्रतिशत), सऊदी अरब (3.1 प्रतिशत), जापान (3 प्रतिशत) और चीन (2.8 प्रतिशत) है।दुनिया भर में मुद्रास्फीति की उच्च दर वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों को सख्त मौद्रिक नीति चुनने के लिए मजबूर कर रही है और ब्याज दरें बढ़ने से अर्थव्यवस्था को पर असर पड़ रहा है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि सेंट्रल बैंक महंगाई पर नियंत्रण पाने के लिए आक्रामक तरीके से इंटरेस्ट रेट बढ़ाते हैं, तो ऐसे में सभी देशों की आर्थिक गतिविधियों में तेज गिरावट से बचना मुश्किल होगा।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसक्स और निफ्टी में रही एक फीसदी की तेजी

मुंबई ।

विदेशी निवेशकों के अनुकूल रुख और वैश्विक बाजारों के सकारात्मक संकेतों से घरेलू शेयर बाजारों में दो दिन के अंतराल के बाद शुक्रवार को फिर तेजी लौटी और दोनों प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबारियों ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में सुधार होने से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की तेजी देखी गई। इस कारोबारी सप्ताह शेयर बाजार में दो दिन गिरावट और तीन दिन बढ़त दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 563.09 अंक चढ़कर 60,522.94 पर खुला और 786.74 अंक की बढ़त के साथ 60,746.59 पर बंद हुआ। इसी तरह व्यापक एनएसई निफ्टी 161.55 अंक बढ़कर 17,948.35 पर खुला और 225.40 अंक की बढ़त लेकर 18,012.20 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 378.3 अंक चढ़कर 61,124.89 पर खुला और 374.76 अंक की बढ़त के साथ 61,121.35 पर बंद हुआ। निफ्टी 118.5 अंक बढ़कर 18,130.70 पर खुला और 133.20 अंक चढ़कर 18,012.20 पर बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स 140.5 अंक गिरकर 60,980.85 पर खुला और 215.26 अंक गिरकर 60,906.09 पर बंद हुआ। निफ्टी 36 अंक गिरकर 18,109.40 पर खुला और 62.55 अंक की गिरावट लेकर 18,082.85 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 420.95 अंक गिरकर 60,485.14 पर खुला और 69.68 अंक घटकर 60,836.41 पर बंद हुआ। निफ्टी 23.40 अंक की गिरावट के साथ 18,059.45 पर खुला और 30.15 अंक की गिरावट के साथ 18,052.70 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 153 अंक चढ़कर 60,989.41 पर खुला और 113.95 अंक की बढ़त के साथ 60,950.36 पर बंद हुआ। निफ्टी 7.35 अंक गिरकर 18,045.35 पर खुला और 64.45 अंक की बढ़त के साथ 18,117.15 पर बंद हुआ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं

ब्रेंट क्रूड 3.90 डॉलर महंगा होकर 98.57 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिला है। शनिवार को ब्रेंट क्रूड 3.90 डॉलर (4.12 फीसदी) महंगा होकर 98.57 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 4.44 डॉलर (5.04 फीसदी) बढ़कर 85.05 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। कुछ राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में बदलाव देखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 0.50 रुपए महंगा होकर 10.3.58 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। डीजल 0.49 रुपए की तेजी के साथ 96.55 रुपए प्रति लीटर है। हिमाचल प्रदेश में डीजल 0.59 रुपए बढ़कर 95.65 रुपए और डीजल 0.50 रुपए की तेजी के साथ 81.91 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। पंजाब में पेट्रोल-डीजल सस्ता हुआ है। यहां पेट्रोल 0.49 रुपए गिरकर 96.40 पैसे प्रति लीटर और डीजल 0.48 रुपए सस्ता होकर 86.76 रुपए प्रति लीटर है। राजस्थान, महाराष्ट्र व तमिलनाडु में भी कीमतों में मामूली गिरावट है। देश के 4 महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.64 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

रियर सीट बेल्ट का नियम अब 10 से होगा लागू

-पहले मुंबई में एक नवबंर होना था लागू

मुंबई । रियर सीट बेल्ट का नियम अब 10 नवंबर से लागू होने जा रहा है। इस नियम को टालने के पीछे केवल लोगों को जागरूक करना कारण है।

जिससे लोग 10 नवंबर तक रियर सीट बेल्ट पहनने की आदत डाल लें। मुंबई पुलिस के अनुसार, पहले यह नियम एक नवंबर से लागू होना था। इस बात की जानकारी मुंबई पुलिस के डिप्टी कमिश्नर (ट्रैफिक) राज तिलक रोशन ने इस बात की जानकारी दी है। रोशन ने बताया कि नियम की तारीख को दस दिनों के लिए टाला गया है।

अब सभी लोगों को सोशल मीडिया और रेडियो के जरिए नए नियमों के पालन और इसे लागू करने की तारीख के बारे में जानकारी दी जा रही है। साथ ही लोगों से अपील की जा रही है कि वे रियर सीट बेल्ट को जरूर लगाएं।

इस नियम के 10 नवंबर से लागू होने के बाद रियर सीट बेल्ट न लगाए मिलने पर 200 रुपये का चलान काटा जाएगा। इसी के साथ अब मुंबई पुलिस टू व्हीलर पर रियर हेलमेट को लेकर भी अभियान शुरू करने जा रही है। मुंबई पुलिस के अनुसार रियर हेलमेट न लगाने वालों की संख्या भी शहर में काफी बढ़ गई है और ये हादसे को न्योता देने वाली बात है।

सितंबर को लागू हुए इस नियम के पहले ही दिन दिल्ली पुलिस ने बड़ी संख्या में लोगों के चालान काटे थे। केवल बाराखंबा रोड पर ही दिल्ली पुलिस ने 17 लोगों का चालान काटा था। बता दें कि टाटा संस के पूर्व चेयरमैन सायरस मिस्त्री का सड़क हादसे में हुए निधन के बाद पूरे देश में रियर सीट बेल्ट को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। जिसके बाद सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने रियर सीट बेल्ट को लगाना भी जरूरी कर दिया था। इस आदेश के बाद नियम को दिल्ली में तुरंत लागू कर दिया था और उल्लंघन करने वाले लोगों पर 1 हजार रुपये का चालान भी लगाया गया था।

सुपर रविवारः टी20 वर्ल्ड कप में आज तीन अहम मुकाबले

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टी20 वर्ल्ड कप 2022 में छह नवंबर का दिन सभी टीमों के लिए काफी अहम हैं। रविवार को कुल तीन मुकाबले होने हैं। पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की भिड़ंत नीदरलैंड्स से होगी है। वहीं दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के सामने चुनौती पेस करेगी। दिन के आखिरी मुकाबले में भारतीय टीम का मुकाबला जिम्बाम्बे के साथ होगा। ये तीनों ही मुकाबले सभी टीमों के लिए बेहद अहम हैं। अफ्रीका को अगर नीदरलैंड्स के खिलाफ जीत मिलती है, तब वह सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी, अगर प्रोटियाज को शिकस्त मिलती है, तब यह पाकिस्तान के लिए सुनहरा मौका होगा, और वहां बांग्लादेश को मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकती है। वहीं भारतीय टीम जिम्बाम्बे को मात देकर टॉप पर रहते हुए अपना सफर खत्म करना चाहेगी। दिन का पहला मुकाबला दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड्स के बीच एडिलेड ओवल मैदान में खेला जाएगा। इस मुकाबले में दोनों टीमों के कप्तान टॉस के लिए मैदान में सुबह पांच बजे आएंगे। वहीं मैच का असल रोमांच आधे घंटे बाद यानि 5.30 बजे से शुरू होगा। दिन का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच एडिलेड ओवल मैदान में ही खेला जाएगा। इस मुकाबले में टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान मैदान में सुबह नौ बजे आएंगे। वहीं मैच का असल रोमांच आधे घंटे बाद 9.30 बजे से शुरू होगा। पाकिस्तान की टीम को सेमीफाइनल की रेस में बने रहने के लिए यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। दिन के तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम जिम्बाम्बे के सामने चुनौती पेस करेगी। यह मुकाबला मेलबर्न स्थित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। दोनों टीमों के कप्तान इस मुकाबले में टॉस के लिए मैदान में दोपहर एक बजे आएंगे। वहीं मैच का असल रोमांच आधे घंटे बाद दोपहर 1.30 बजे से शुरू होगा।

नोवाक जोकोविच रिकॉर्ड 7वां खिताब जीतने से दो कदम दूर, सेमी में सिटसिपास से भिड़ंत

पेरिस (एजेंसी)।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने आसान जीत के साथ पेरिस मास्टर्स में रिकॉर्ड सातवां खिताब जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए, लेकिन कार्लोस अलकारेज पेट दर्द के कारण मैच में बीच से हटकर बाहर हो गए। जोकोवि ने क्वार्टर फाइनल में लोरेंजो मुसेटी को आसानी से हराया। इस सत्र में इजरायल और कजाखस्तान में खिताब जीतने वाले जोकोविच रिकॉर्ड 39वें मास्टर्स खिताब की कवायद में हैं। जोकोविच सेमीफाइनल में यूनान के पांचवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास से भिड़ने वाले हैं। जिन्होंने गैर वरीयता प्राप्त अमेरिकी टॉमी पॉल को पराजित किया। पॉल ने दूसरे दौर में राफेल नडाल को हराया था। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलकारेज को डेनमार्क के होल्गर रूने के खिलाफ आधे मैच से हटना पड़ा।

कोहली की तमन्ना, विश्व कप जीतने के बाद 13 नवंबर को इससे भी बड़ा केक काटना चाहता हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने अपना 34वां जन्मदिन शनिवार को भारतीय मीडिया के साथ मनाया। इस मौके पर अपनी इच्छा जाहिर की कि वह भारत के लिए टी20 विश्व कप जीतने के बाद 13 नवंबर को इससे भी बड़ा केक काटना चाहते हैं। कोहली गैलरी से निकलते हुए मुस्कुरा रहे थे और जिस किसी ने भी उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी उससे वह हाथ मिलाकर अभिवादन स्वीकार कर रहे थे।

उनसे पूछा, आपने कभी सार्वजनिक तरीके से अपना जन्मदिन मनाया है विराट?'' इस पर कोहली ने मुस्कुराते हुए कहा,'आप लोगों ने पहले कभी मुझे जन्मदिन पर केक भेजा भी नहीं। कोहली से भाषण देने के लिए कहा गया, तब उनकी मुस्कान लौट आई। उन्होंने कहा, मैं किसी सवाल का जवाब नहीं देने जा रहा हूं। कोहली ने कहा, एमसीजी पर केक काटना अच्छा है लेकिन मैं एक केक काटना पसंद करता। आप समझ गए होंगे कि वह किस केक की बात कर रहे हैं। अगले रविवार को टी20 विश्व कप का फाइनल होगा और कोहली फाइनल में भारत की जीत के बाद केक काटने की बात कर रहे थे।

रविचंद्रन अश्विन ने बताया पूर्व कप्तान ने ड्रेसिंग रूम में केक काटा था। अश्विन से जब पूछा गया की टीम कोहली का जन्मदिन कैसे मना रही है, उन्होंने कहा,'' हां, हम केक लेकर आए थे। अभ्यास से ठीक पहले हमने केक काटा था। भारतीय टीम के मीडिया विभाग और आईसीसी का आभार जो उन्होंने भारतीय मीडिया दल के आग्रह को स्वीकार करके कोहली को एक छोटे से समारोह में शामिल होने की अनुमति दी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आया एक पत्रकार केक लेकर आया था जबकि दूसरे पत्रकार ने उन्हें एक विशेष पेंटिंग सौंपी जो उन्होंने जयपुर से खरीदी थी।कोहली ने केक लाने के लिए पत्रकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा,'' भाई बड़ा अच्छा केक है कौन लेकर आया है। बहुत-बहुत धन्यवाद यह बड़ा स्वादिष्ट है।

श्रीलंका को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड कप से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड की टीम ने शनिवार को श्रीलंका को पांच विकेट से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर श्रीलंका की टीम ने इंग्लैंड के सामने 142 रन का लक्ष्य रखा। एलेक्स हेल्स (47) और बेन स्टोक्स (नाबाद 44) की बदौलत इंग्लैंड की टीम ने लक्ष्य को 20वें ओवर में प्राप्त कर लिया। जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है। इस ग्रुप से न्यूजीलैंड की टीम टॉप पर रहकर अंतिम चार में पहुंची। वहीं, इंग्लैंड की जीत से डिफेंडिंग चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की ओर से कप्तान जॉस बटलर और सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने शानदार शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 44 गेंदों में 75 रन की साझेदारी निभाई। बटलर 28 रन बनाकर वनिंदु हसरंगा की गेंद पर चामिका करुणारत्ने को कैच दे बैठे। इसके तुरंत बाद हेल्स भी हसरंगा की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। एक समय हैरी ब्रूक (4), लियाम लिविंग्स्टोन (4) और मोईन अली (1) का विकेट गंवाकर टीम संकट में घिर गई थी। हालांकि, बेन स्टोक्स ने टीम को जीत दिला दी।

इससे पहले श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका (67 रन) की शानदार अर्धशतकीय पारी के बावजूद महत्वपूर्ण मैच में श्रीलंका को आठ विकेट पर 141 रन ही बना सकी। श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और निसांका ने 33 गेंद में अर्धशतक जड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिला दी। इस स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज ने इंग्लैंड के आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए 45 गेंद में पांच छक्के और दो चौके जमाए। लेकिन लेग स्पिनर आदिल राशिद (चार ओवर में 16 रन देकर एक विकेट) ने टूर्नामेंट में पहला विकेट निसांका के रूप में लेकर रूख बदल दिया।

तेज गेंदबाज सैम करेन (चार ओवर में 27 रन देकर एक विकेट) ने बीच के ओवरों में कसा स्पैल डाला जिससे आठ रन से ज्यादा प्रति ओवर की लय से चल रही श्रीलंकाई टीम की रन गति पर लगाम लगी। बल्लेबाजी क्रम में नीचे 'पावरहिटर' की कमी का श्रीलंका को खामियाजा भुगतना पड़ा क्योंकि 'बाउंड्री' लगनी बंद हुई। टीम अंतिम पांच ओवर में महज 25 रन ही जोड़ सकी तथा इस दौरान उन्होंने पांच विकेट भी गंवा दिए। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने भी खराब शुरुआत से वापसी करते हुए 26 रन देकर तीन विकेट झटक लिए, जिससे श्रीलंकाई टीम 15-20 रन कम बना सकी।

किदांबी श्रीकांत हाइलो ओपन के सेमीफाइनल में, वर्ल्ड नंबर 7 खिलाड़ी को दी मात

सारब्रकेन । भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी जॉनाथन क्रिस्टी को सीधे गेम में हराकर हाइलो ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। विश्व में 11वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी ने अपना आखिरी खिताब 2017 में जीता था, लेकिन इस बार उन्होंने इंडोनेशियाई खिलाड़ी को 39 मिनट में हराकर चैंपियन बनने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। इस जीत से श्रीकांत का क्रिस्टी के खिलाफ रिकॉर्ड 6-5 हो गया है। पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर इतिहास रचने वाले श्रीकांत का अगला मुकाबला विश्व में छठे नंबर के खिलाड़ी एंथनी सिनिसुका गिनटिंग से होगा। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच आपसी रिकॉर्ड में अभी एंथनी 3-2 से आगे हैं।

टी20 विश्व कप: अगर जिंबाब्वे से हार जाए टीम इंडिया तो क्या सेमीफाइनल की रेस से हो जाएगी बाहर

टी20 विश्व कप में ग्रुप 2 के तीन अहम मुकाबले रविवार को खेले जाएंगे। रविवार को ही ग्रुप दो से उन दो टीमों का निर्धारण होगा जो कि सेमीफाइनल में पहुंचेगी भारतीय टीम भी ग्रुप दो में फिलहाल टॉप पर है और आखिरी मुकाबला उसे जिंबाब्वे के खिलाफ मेलबर्न में खेलना है। टीम को अपना आखिरी मुकाबला जिंबाब्वे के खिलाफ खेलना है। जिंबाब्वे ने इस बार टी-20 विश्व कप में बड़ा उलटफेर किया है। ऐसे में टीम इंडिया कहीं से भी उसे कमजोर नहीं समझ रही है। हालांकि, लोगों को इस बात की उम्मीद है कि जिंबाब्वे को भारतीय टीम हरा देगी। लेकिन जिंबाब्वे ने पाकिस्तान को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। ऐसे में अगर भारत को हराकर जिंबाब्वे उलटफेर कर देता है तब क्या होगा?

आईसीसी इवेंट्स में अब तक ऐसे कई मुकाबले हुए हैं जिसमें बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। ऐसे में अगर भारतीय टीम जिंबाब्वे से हार जाती हैं तो क्या वह सेमीफाइनल से बाहर हो जाएगी, यह बड़ा सवाल है। ऐसे में टीम इंडिया के पास 5 मुकाबलों में 6 अंक होंगे। जिंबाब्वे के पास 5 अंक होंगे। जिंबाब्वे के खिलाफ भारत हारता है तो उसके रन रेट भी कम होंगे। अगर पाकिस्तान बांग्लादेश के खिलाफ जीत जाता है तो वह 6 अंकों के साथ सेमीफाइनल में बेहतर रन रेट के साथ प्रवेश कर सकता है। अपना आखिरी मैच जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका के पास से भी 7 अंकों के साथ सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका होगा। भारत की हार और दक्षिण अफ्रीका तथा पाकिस्तान की जीत टीम इंडिया के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती हैं।

सरफराज खान की धुआंधार पारी, मुंबई ने जीती सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोलकाता के ईडन गार्डन में खेली जा रही सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2022 के रोचक फाइनल मुकाबले में मुंबई ने हिमाचल प्रदेश को सरफराज खान की धुआंधार पारी की बदौलत जीत दर्ज कर ली। हिमाचल ने पहले खेलते हुए एकांत सेन के 37 रनों की बदौलत 143 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी मुंबई के एक समय 119 रन पर 7 विकेट गिर गए थे लेकिन तभी सरफराज ने एक छोर संभालते हुए मुंबई को 3 विकेट से जीत दिला दी।

हिमाचल प्रदेश की बात करें तो पहले खेलते हुए उनकी शुरूआत खराब रही थी। अंकुश बैंस 4 तो एस. वर्मा 8 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लेकिन चोपड़ा ने निखिल के साथ मिलकार स्कोर 50 पार लगाया। नितिन शर्मा के 0 तो कप्तान ऋषि धवन के 1 रन पर आऊट होने के बाद हिमाचल एक समय मुश्किल में लग रही थी। लेकिन तभी आकाश विशिष्ट ने 25 तो एकांत सेन ने 29 गेंदों में 37 रन बनाकर स्कोर आगे बढ़ाया। अंत में मयंक डागर ने 12 गेंदों में 21 रन बनाकर स्कोर 143 रन पर ला खड़ा किया।

मुंबई की ओर से मोहित अवस्थी के साथ तुषान कोटियां सफलतम गेंदबाज रहे। कोटियां ने जहां 15 रन देकर तीन विकेट लीं तो वहीं, मोहित अवस्थी ने 21 रन देकर 3 विकेट लीं। अमन हाकिम खान ने 24 रन देकर एक तो शिवम दूबे ने 16 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

जवाब में खेलने उतरी मुंबई की शुरूआत भी खराब रही। कप्तान रहाणे फिर से 1 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। तभी पृथ्वी शॉ ने यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। जायसवाल ने 27, श्रेयस अय्यर ने 26 गेंदों में 34 तो सरफराज खान ने 31 गेंदों में 36 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। हालांकि मुंबई एक समय 119 रन पर सात विकेट गंवा चुकी थी। मध्यक्रम में शिवम दुबे 7, अमन हाकिम 6 तो शम्स मुलानी 2 रन बनाकर चलते बने थे। लेकिन सरफराज ने अपनी टीम को जीत तक पहुंचा दिया।

नेशनल यूनाइटेड ने सीआईएसएफ को हराया, स्नेह त्यागी बने 'मैन ऑफ द मैच'

नई दिल्ली। नेशनल यूनाइटेड ने शनिवार को दिल्ली सीनियर डिवीजन लीग के एकतरफा मैच में सीआईएसएफ को 2-0 से हराकर पूरे अंक अर्जित किए। नेशनल यूनाइटेड के दोनों दर्शनीय गोल कांगो के सफीला डेली ने किये जबकि गोलकीपर स्नेह त्यागी को शानदार क्षेत्ररक्षण के लिए मैन ऑफ द मैच आंका गया।नेशनल ने लीग की अंक तालिका के शीर्ष पर मौजूद सीआईएसएफ को फुटबॉल का पाठ पढ़ाया। डेली ने जहां शानदार गोल जमाये, वहीं स्नेह ने गोल का रक्षण बखूबी किया। पराजित टीम की फॉरवर्ड लाइन ने आधा दर्जन मौकों पर गलत निशाने लगाकर नेशनल का काम आसान कर दिया। इसी बीच, अहबाब एफसी ने दिल्ली यूनाइटेड को करीबी मुकाबले में 3-2 से मात दी। नेहरू स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में अहबाब के लिए मैन आफ द मैच लालनुंजमा दो गोल जमाए जबकि एक गोल रुद्र नारायण ने किया। दिल्ली यूनाइटेड के गोल सैविश और सार्थक ने किए।

आफरीदी के आरोप पर बीसीसीआई अध्यक्ष बिन्नी ने कहा, हमें आईसीसी से क्या मिलता हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टी-20 वर्ल्ड कप 2022 में भारत ने बीते बुधवार को बांग्लादेश को बारिश से बाधित मैच में डकवर्थ लुईस नियम से 5 रनों से हराया था। इस मैच में बारिश के कारण कुछ वक्त के लिए मैच रुका था। लेकिन, बारिश थमने के बाद दुबारा मैच शुरू हुआ और भारत ने शानदार कमबैक कर जीत हासिल की। हालांकि, टीम इंडिया की जीत पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहीद अफरीदी को हजम नहीं हुई और उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल पर बड़ा आरोप लगाकर कहा था कि आईसीसी भारत को फेवर कर रही है और चाहती है कि टीम इंडिया किसी भी कीमत पर सेमीफाइनल में पहुंच जाए। इसके बाद मैदान काफी गीला होने के बावजूद मैच जल्दी शुरू कराया गया।

अब बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने आफरीदी के इन आरोपों पर पलटवार करते हुए पूछा है कि हमें आईसीसी से अलग क्या मिलता है? उन्होंने कहा कि क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था हर टीम के साथ समान व्यवहार करती है। बिन्नी ने अफरीदी के आरोपों पर कहा, इन बातों में दम नहीं है। यह सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि आईसीसी हमारा पक्ष लेती है। सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार होता है। ऐसा कोई तरीका नहीं, जिससे आप ऐसा कह सकें। हमें अन्य टीमों से क्या अलग मिलता है? भारत क्रिकेट में बड़ा पावरहाउस है। लेकिन हम सभी के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाता है। इसके पहले, अफरीदी ने आईसीसी पर बीसीसीआई का पक्ष लेने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था, मुझे पता है कि क्या हुआ है। जितनी बारिश हुई थी, उसके बाद बहुत जल्दी मैच शुरू हो गया। इससे साफ होता है कि आईसीसी का झुकाव भारत की तरफ था। आईसीसी चाहते थे कि भारत किसी तरह सेमीफाइनल में पहुंचे। भारत जब भी मुकाबला खेलता है, तब एक अलग तरह का प्रेशर होता है। इसमें कई सारे पहलू होते हैं।

भारत ने एफआईएच प्रो लीग मुकाबले में न्यूजीलैंड को 7-4 से रौंदा

नई दिल्ली। भारत ने 1-3 से पिछड़ने के बाद आक्रामक हॉकी खेलकर शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए शुक्रवार को यहां एफआईएच पुरूष प्रो लीग के रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड पर 7-4 से जीत दर्ज की। घरेलू टीम ने 28 अक्टूबर को हुए पहले चरण के मुकाबले में इसी प्रतिद्वंद्वी को 4-3 से पराजित किया था। टीम पहले 15 मिनट में जूझती नजर आयी जिसमें उसने तीन गोल गंवा दिये थे लेकिन अगले तीन क्वार्टर में दो दो गोल कर टीम ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड ने पहले क्वार्टर में दबदबा बनाया लेकिन भारत के बार बार हमलों के आगे दबाव में आ गयी और फिर अगले तीन क्वार्टर में केवल एक गोल ही कर सकी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह (सातवें और 19वें मिनट, दोनों पेनल्टी कॉर्नर), कार्ति सेलवम (17वें और 38वें मिनट), राज कुमार पाल (31वें मिनट), सुखजीत सिंह (50वें मिनट) और जुगराज सिंह (53वें मिनट) ने भारत के लिये गोल दागे। न्यूजीलैंड की ओर से साइमन चाइल्ड (दूसरे), सैम लेन (नौवें), स्मिथ जेक (14वें) और निक वुड्स (54वें) ने गोल किये। भारत को मैच के दौरान 11 पेनल्टी कॉर्नर मिले जिसमें से तीन गोल में तब्दील हुए। भारतीयों ने आक्रामक हॉकी खेलते हुए 29 बार सर्कल में सेंध लगायी जबकि इसकी तुलना में न्यूजीलैंड को 13 बार ही ऐसा कर पायी। भारत का गेंद पर दबदबा 56 प्रतिशत रहा और विपक्षी टीम के गोल में 12 शॉट लगाये जबकि दौरा करने वाली टीम ऐसा छह बार ही कर सकी। भारत रविवार को दूसरे चरण के मैच में स्पेन से भिड़ेगा। भारत को 30 अक्टूबर को यूरोपीय टीम से 2-3 से हार मिली थी।

टी20 विश्व कपः जिंबाब्वे के खिलाफ मुकाबले में बनेंगे कई रिकॉर्ड, कमाल करेंगे रोहित, विराट और सूर्यकुमार

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया में हो रहे टी20 विश्व कप में भारत का अपना अंतिम लीग मैच जिंबाब्वे के खिलाफ खेलना है। यह मैच रविवार को खेला जाएगा। इस मैच के साथ ही भारत सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करना चाहेगा। फिलहाल, भारत ने अब तक 4 मुकाबलों में 3 में जीत हासिल की है और उसके पास 6 अंक हैं। टी-20 विश्व कप में भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसे हार मिली थी। जिंबाब्वे के खिलाफ भारत के तीन बल्लेबाजों के पास नए रिकॉर्ड बनाने का मौका होगा। यह तीन बल्लेबाज है कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव।

रोहित शर्मा

बात अगर रोहित शर्मा की करें तो मेलबर्न में होने वाले मुकाबले में उनके पास छक्कों के मामले में नया रिकॉर्ड बनाने का मौका है। अगर इस मैच में रोहित शर्मा 4 छक्के लगा देते हैं तो वह 500 छक्के लगाने वाले भारत के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। क्रिस गेल दुनिया में ऐसे इकलौते खिलाड़ी हैं जिन्होंने ऐसा कारनामा किया है। क्रिस गेल के नाम 553 छक्के शामिल हैं। मेलबर्न में जिंबाब्वे के खिलाफ होने वाले मुकाबले में उनके पास इसे हासिल करने का अच्छा मौका है।

विराट कोहली

विराट कोहली की बात करें तो फिलहाल वह शानदार फॉर्म में हैं। इसके साथ ही विराट कोहली टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भी बल्लेबाज हैं। अगर विराट कोहली जब 68 रनों की पारी खेलते हैं तो टी20 में उनके 4000 रन पूरे हो जाएंगे। ऐसा करने वाले वह दुनिया के इकलौते बल्लेबाज बन जाएंगे।

सूर्यकुमार यादव

सूर्यकुमार यादव भी भारतीय बल्लेबाजी के रीढ़ बन चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है।

फिलहाल टी20 में वह नंबर वन बल्लेबाज है। 35 रन बनाने के साथ ही 1 कैलेंडर ईयर में वे 1000 रन बना लेंगे। रविवार को मुकाबले में सूर्यकुमार यादव ऐसा करने की कोशिश करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें

याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता-पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच-विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी-छो टी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान दे ना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी- बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर- उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उत्तेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां-बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही-गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही-गलत का फर्क भली-भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां-बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे-बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।

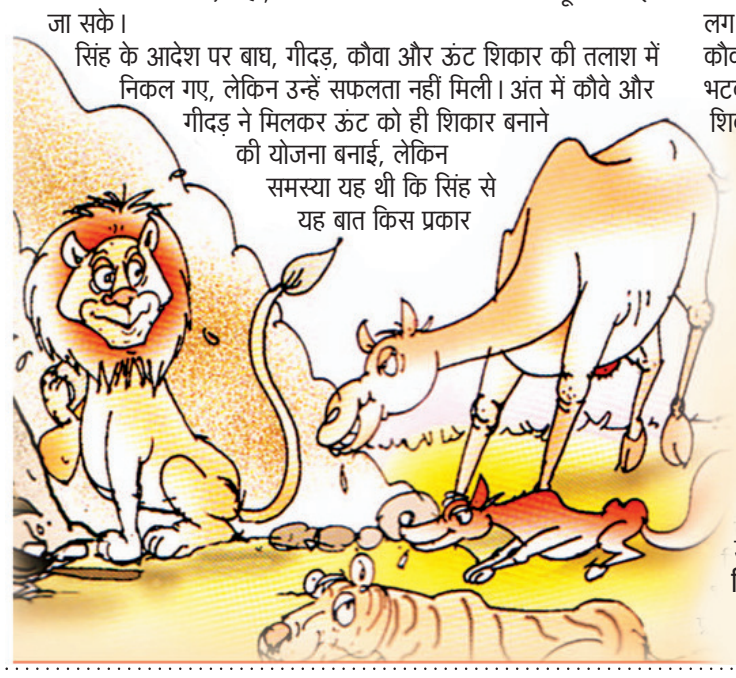

सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं।

स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा: धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।

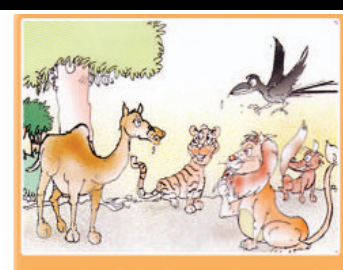

ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए...

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

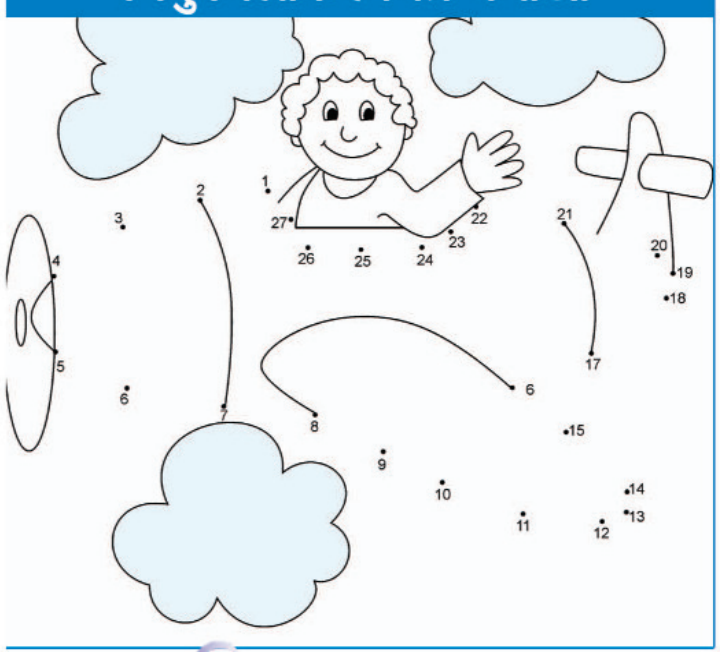

अंतर ढूंढो

कहानी क्रोनोमीटर की

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा- भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा-ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा-भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही-सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी-रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही-सही ज्ञान हो सकता था, बशत्रे कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक-ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुज्रे भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंततः जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षो से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफ्रीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं

नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवतः दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने-चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है -

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना-माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब-नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे- हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश-सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने-संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन-सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफ्रीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफ्रीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा डमाराडिक-डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट-बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।

पाकिस्तान: ननकाना साहिब जा रही विशेष ट्रेन के 9 डिब्बे पटरी से उतरे, हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं

लाहौर । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गुरु नानक जयंती समारोह में शामिल होने के लिए सिख तीर्थयात्रियों को ननकाना साहिब ले जा रही विशेष ट्रेन के 9 डब्बे पटरी से उतर गए। पाकिस्तान रेलवे के प्रवक्ता ने कहा कि दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ। 8 नवंबर को गुरु नानक की जयंती मनाई जाएगी। गुरु के जन्म का जश्न मनाने का मुख्य कार्यक्रम गुरुद्वारा जन्मस्थान ननकाना साहिब में होगा। पाकिस्तान रेलवे के प्रवक्ता ने कहा कि सिख तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही विशेष ट्रेन कराची से ननकाना साहिब जा रही थी, तभी प्रांत के शोरकोट और पीर महल रेलवे स्टेशनों के बीच शाम करीब 7.55 बजे उसके नौ डिब्बे पटरी से उतर गए। बचाव दल घटना स्थल पर पहुंचे और राहत कार्य चलाया गया। अधिकांश यात्रियों को ट्रेन के पहले भाग (जो ट्रैक पर था) में समायोजित किया गया है और 9:55 पर ननकाना के लिए रवाना किया गया है। शेष यात्रियों के प्रस्थान की भी व्यवस्था की गई है। इस संबंध में अभी तक किसी के घायल या हताहत होने की सूचना नहीं है। टीम के साथ डीएस लाहौर मौके पर पहुंच रहे हैं। ईटीपीबी के प्रवक्ता आमिर हाशमी ने कहा, ''यह ट्रेन सिंध प्रांत और अन्य जगहों से आने वाले स्थानीय सिखों के लिए चलती है। यह सप्ताह में एक बार तीर्थयात्रियों के लिए चलती है।

पाकिस्तान को चीन और सऊदी अरब से मिलेगी 13 अरब डॉलर की अतिरिक्त मदद

इस्लामाबाद। आर्थिक संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान को उसके परंपरागत सहयोगियों चीन और सऊदी अरब से 13 अरब डॉलर की अतिरिक्त वित्तीय मदद मिली है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इसहाक डार ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान को यह मदद ऐसे वक्त मिली है जब सरकार देश की कमजोर अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के प्रयास में जुटी हुई है। समाचारपत्र डॉन में प्रकाशित एक खबर में डार के हवाले से बताया गया कि नई वित्तीय सहायता के तहत पाकिस्तान को नौ अरब डॉलर चीन से जबकि चार अरब सऊदी से मिलेंगे। यह 20 अरब डॉलर के निवेश वायदों के अतिरिक्त है। डार ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की हालिया बीजिंग यात्रा के दौरान चीन के नेतृत्व ने सॉवेरन ऋण के रूप में चार अरब डॉलर, वाणिज्यिक बैंक कर्ज के पुनर्वित्त के रूप में 3.3 अरब डॉलर और मुद्रा अदला-बदली को 30 अरब युआन से बढ़ाकर 40 अरब युआन करने का वादा किया था। यह सब मिलाकर 8.75 अरब डॉलर होता है। डार ने कहा, ''उन्होंने वित्तीय समर्थन सुरक्षा का वादा किया है।'' इन्हें परिपक्वता अवधि पूरी होने पर मुहैया करवाया जाएगा।'' डार ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि सऊदी अरब ने भी आर्थिक सहायता को तीन अरब डॉलर से बढ़ाकर छह अरब डॉलर करने के अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

रूस में कैफे में आग लगने से 15 लोगों की मौत

मॉस्को । रूस के कोस्त्रोमा शहर में एक कैफे में आग लगने से शनिवार को 15 लोगों की मौत हो गई है। आपातकालीन अधिकारियों ने बताया कि कैफे में सुबह के समय एक विवाद के दौरान किसी ने फ्लेयर गन का इस्तेमाल किया, जिसके बाद आग लग गई। बचावकर्ताओं ने 250 लोगों को बाहर निकाला। कोस्त्रोमा उत्तरी मॉस्को से करीब 340 किलोमीटर दूर स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के दौरान कैफे की छत गिर गई। उन्होंने कहा कि मामले की आपराधिक जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस फ्लेयर गन (ऐसी पिस्तौल जिससे आग निकलती है) का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति की तलाश कर रही है।

ईरान ने रूस को ड्रोन देने की बात स्वीकार की

दुबई । ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दोल्लाहियां ने पहली बार स्वीकार किया कि उनके देश ने रूस को ड्रोन की आपूर्ति की है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने रूस को यूक्रेन युद्ध से पहले ड्रोन दिए थे। उनकी टिप्पणी हथियारों की आपूर्ति के बारे में ईरान के भ्रमित करने वाले संदेशों के महीनों बाद आई है। रूस ईरान निर्मित ड्रोन का इस्तेमाल यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के लिए कर रहा है। तेहरान में बैठक के बाद विदेश मंत्री ने संवाददाताओं से कहा हमने यूक्रेन युद्ध से कुछ महीने पहले रूस को सीमित संख्या में ड्रोन दिए थे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले ईरानी अधिकारियों ने रूस को हथियारों की आपूर्ति करने से इनकार किया था।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव की दौड़ में भारतीय मूल के पांच अमेरिकी नागरिक शामिल -सभी के जीतने की पूरी उम्मीद

वाशिंगटन। अमेरिका में आठ नवंबर को प्रतिनिधि सभा के लिए होने वाले मध्यावधि चुनाव की दौड़ में भारतीय मूल के पांच अमेरिकी नागरिक भी शामिल हैं। अगर चुनावी विश्लेषकों की राय पर गौर किया जाए, तब इन भारतीय-अमेरिकियों के प्रतिनिधि सभा के लिए चुने जाने की 100 फीसदी की संभावना है। चार मौजूदा सांसद एमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना और प्रमिला जयपाल के पुन- निर्वाचित होने की उम्मीद है। चारों डेमोक्रेटिक पार्टी के हैं। प्रतिनिधि सभा में भारतीय अमेरिकियों के तथाकथित 'समोसा कॉकस' में उद्यमी और कारोबारी श्री थानेदार भी शामिल हो सकते हैं जो मिशिगन के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से चुनाव लड़ रहे हैं। इमसें सबसे वरिष्ठ सदस्य बेरा कैलिफोर्निया की सातवीं कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से प्रतिनिधि सभा के लिए छठी बार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, खन्ना, कृष्णमूर्ति और जयपाल लगातार चौथी बार प्रतिनिधि सभा की दौड़ में शामिल हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, चारों उम्मीदवार अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मजबूत स्थिति में है और थानेदार की स्थिति भी मजबूत दिख रही है। थानेदार अगर निर्वाचित होते हैं, तब वह बेरा, खन्ना, कृष्णमूर्ति और जयपाल के साथ अगली कांग्रेस में पांचवें भारतीय-अमेरिकी बनने वाले हैं। चेन्नई में जन्मीं जयपाल (57) प्रतिनिधि सभा में निर्वाचित होने वाली पहली और इकलौती भारतीय-अमेरिकी महिला है। चुनाव में एक अन्य भारतीय-अमेरिकी मैरीलैंड राज्य में इतिहास रचने को तैयार हैं। मैरीलैंड हाउस ऑफ डेलीगेट्स की पूर्व सदस्य अरुणा मिलर डेमोक्रेटिक पार्टी के टिकट पर राज्य के लेफ्टिनेंट गवर्नर पद पर चुनाव लड़ रही हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार उनका जीतना तय है। अगर ऐसा होता है, तब वह मैरीलैंड में इस पद पर निर्वाचित होने वाली पहली भारतीय अमेरिकी होंगी। इस बीच, डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशियों ने आठ नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव के मद्देनजर भारतीय-अमेरिकियों तक पहुंचने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

बाइडेन व ब्लिंकन ने की इमरान खान पर हमले की निंदा, कहा हिंसा हर हाल में अस्वीकार्य

वाशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर विरोध मार्च के दौरान हुए हमले की निंदा की और कहा कि राजनीति में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। अमेरिका एक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण पाकिस्तान के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा अमेरिका एक राजनीतिक रैली में पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान और अन्य पर हमले की कड़ी निंदा करता है। हम इमरान खान और अन्य सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। साथ ही हम मारे गए व्यक्ति के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। ब्लिंकन ने कहा हिंसा का राजनीति में कोई स्थान नहीं है, और हम सभी दलों से हिंसा, उत्पीड़न और डराने धमकाने से दूर रहने का आह्वान करते हैं। अमेरिका एक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण पाकिस्तान के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम पाकिस्तानी लोगों के साथ खड़े हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में विरोध मार्च के दौरान एक बंदूकधारी ने खान को ले जा रहे ट्रक पर गोली चला दी, जिससे खान के पैर में गोली लग गई। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जिस समय हमला किया गया पूर्व प्रधानमंत्री जल्द चुनाव की मांग को लेकर इस्लामाबाद तक लंबे मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। व्हाइट हाउस ने भी हमले की निंदा की है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कारीन ज्यां पियरे ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ न्यू मैक्सिको की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति के विशेष विमान एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से कहा अमेरिका इमरान खान और उनके समर्थकों पर हमले की कड़ी निंदा करता है और सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद करता है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा हिंसा का राजनीति में कोई स्थान नहीं है। हम सभी पक्षों से शांतिपूर्ण तरीके से रहने और हिंसा से दूर रहने का आह्वान करते हैं।

जर्मनी के म्यूएनस्टर में जी 7 विदेश मंत्रियों की बैठक में एक कार्य सत्र में भाग लेते जर्मन विदेश मंत्री एनालेना बेरबॉक, घाना के विदेश मंत्री शर्ली अयोरकोर बोचवे, कनाडा के विदेश मंत्री मेलानी जोली, जापानी विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी, ब्रिटिश विदेश मामलों के सचिव जेम्स क्लेवर्ली, अफ्रीकी संघ आयोग के उपाध्यक्ष मोनिक नस्ज़बागनवा, यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि जोसेप बोरेल, फ्रांसीसी विदेश मंत्री कैथरीन कोलोना, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और केन्या के विदेश और प्रवासी मामलों के कैबिनेट सचिव अल्फ्रेड मुटुआ ।

मस्क ने ऐसा ट्विटर खरीदा जो झूठ फैलाता है: बाइडेन

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एलन मस्क द्वारा ट्विटर खरीदे जाने पर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि एलन मस्क ने वह सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ट्विटर खरीदा है, जो पूरी दुनिया में झूठ फैलाता है। खबरों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एलन मस्क के ट्विटर खरीदने पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि हम सभी इस बारे में चिंतित हैं कि एलन मस्क ने एक ऐसा संगठन (ट्विटर) खरीदा है, जो दुनियाभर में झूठ बोलता है। अमेरिका में अब कोई एडिटर नहीं है। हम कैसे उम्मीद करें कि बच्चे यह समझने में सक्षम होंगे कि दांव पर क्या लगा है? इस बीच एलन मस्क ने ट्विटर से स्टाफ की छंटनी शुरू कर दी है। ट्विटर ने वैश्विक स्तर पर कार्यबल में कमी करने की योजना के तहत भारत में अपने ज्यादातर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। इस छंटनी से पहले भारत में कंपनी के 200 से अधिक कर्मचारी काम रहे थे। ट्विटर में जारी छंटनी को लेकर कंपनी के प्रमुख एलन मस्क ने कहा है कि उनके पास और कोई विकल्प नहीं था. उन्होंने ट्विटर पर छंटनियों की खबर पर मुहर लगाई है।

सरासर झूठ बोल रहे हैं पूर्व पीएम इमरान, हत्या की साजिश पर पाक सेना ने रखा अपना पक्ष

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, गृहमंत्री राणा सनाउल्ला और मेजर जनरल फैसल नसीर ने उनकी हत्या की साजिश रची है। उन्होंने पाकिस्तान की सेना पर सीधा निशाना साधा है। अब पाकिस्तान की सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है। इमरान खान ने कहा था कि सेना का एक वरिष्ठ अधिकारी उन्हें मारने की साजिश में शामिल लोगों में से एक था। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से जांच करने और कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

सेना का बयान अस्पताल से इमरान खान के एक संबोधन के जवाब में आया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह और मेजर जनरल फैसल नसीर उसी तरह पंजाब के पूर्व राज्यपाल की तरह उनकी हत्या करने की एक भयावह साजिश का हिस्सा थे। सलमान तासीर की 2011 में एक धार्मिक चरमपंथी ने हत्या कर दी थी। 70 वर्षीय खान को दाहिने पैर में गोली लगी थी, जब दो बंदूकधारियों ने पंजाब प्रांत के वजीराबाद इलाके में एक कंटेनर पर गोलियां चला दीं थीं, वहां इमरान खान पीएम शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ विरोध मार्च का नेतृत्व कर रहे थे।

इमरान खान के आरोपों का जवाब देते हुए सेना ने कहा कि किसी को भी संस्थान या उसके सैनिकों को दण्ड से मुक्ति के साथ बदनाम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसे ध्यान में रखते हुए, पाकिस्तान सरकार से इस मामले की जांच करने और संस्था और उसके अधिकारियों के खिलाफ मानहानि और झूठे आरोपों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया गया है। बयान में कहा गया कि पाकिस्तानी सेना एक मजबूत और अत्यधिक प्रभावी आंतरिक जवाबदेही प्रणाली के साथ एक अत्यंत पेशेवर और अच्छी तरह से अनुशासित संगठन होने पर गर्व करती है, जो वर्दीधारी कर्मियों द्वारा की गई किसी भी चीज के खिलाफ गैरकानूनी कृत्यों के लिए बोर्ड भर में लागू होती है। इसमें कहा गया है कि अगर तुच्छ आरोपों के जरिए निहित स्वार्थों द्वारा अपने पद और फ़ाइल के सम्मान, सुरक्षा और प्रतिष्ठा को धूमिल किया जा रहा है, तो संस्था अपने अधिकारियों और सैनिकों की रक्षा करेगी, चाहे कुछ भी हो।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, गृहमंत्री राणा सनाउल्ला और मेजर जनरल फैसल नसीर ने उनकी हत्या की साजिश रची और वे 2011 में हुई पंजाब के पूर्व गवर्नर सलमान तासीर की हत्या की तरह ही धार्मिक उन्मादियों के हाथों उनकी हत्या कराना चाहते थे। पंजाब के वजीराबाद जिले में 'हकीकी आजादी मार्च' के दौरान 70 वर्षीय खान के कंटेनर पर दो बंदूकधारी हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में उनके दाहिने पैर में गोली लगी है। जानलेवा हमले के बाद शौकत खानम अस्पताल से देश को पहली बार संबोधित करते हुए खान ने कहा कि उनकी हत्या की साजिश करने वाले चार अन्य लोगों की भी उन्होंने वीडियो बनायी है।

उन्होंने कहा चार लोगों ने मेरी हत्या की साजिश रची। मैंने एक वीडियो बनाया और इन लोगों को नामजद किया है। उसे विदेश में सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि अगर उनके साथ कुछ गलत होता है तो वह वीडियो जारी किया जाएगा। खान ने कहा कि उन्हें इस जानलेवा हमले की साजिश का पता 'भेदियों' से चला। उन्होंने कहा मुझे कैसे पता चला? भेदियों ने मुझे बताया। वजीराबाद हमले से एक दिन पहले उन्होंने मेरी हत्या की योजना बनाई, क्योंकि उन्हें मेरी रैलियों में बढ़ती हुई भीड़ दिखने लगी थी। इमरान खान ने हालांकि अपने दावों पर कोई सबूत पेश नहीं किया।

हर हफ्ते निकलवाया खून, फिर इससे लिखे गए 605 पन्नें, बगदाद के मस्जिद की तिजोरी में रखी है सद्दाम हुसैन की ब्लड कुरान

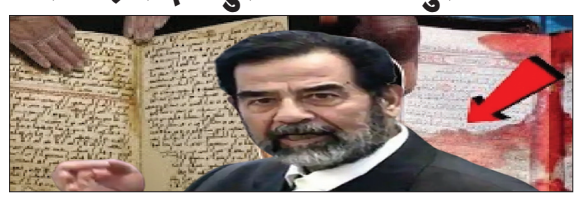

वाशिंगटन (एजेंसी)।

किसी के लिए आतंक का दूसरा नाम तो किसी के लिए मसीहा, सद्दाम हुसैन एक ऐसा विवादित नाम जिसके बारे में कई किस्से और कहानियां मशहूर हैं। 5 नवंबर यानी आज ही के दिन ठीक 17 साल पहले तानाशाह हुसैन को फांसी की सजा सुनाई गई थी। फिर दो दशक तक इराक पर हुकूमत करने वाले सद्दाम हुसैन को 30 सितंबर 2006 को फांसी दे दी गई थी। लेकिन सद्दाम हुसैन से जुड़ी कई कहानियां हैं जो वक्त बे वक्त सामने आती रहती हैं। कहा जाता है कि सद्दाम हुसैन ने अपने 27 लीटर खून से कुरान लिखवाई थी।

ब्लड कुरान के नाम से है चर्चित

कॉन कफलिन जिन्होंने सद्दाम हुसैन की जीवनी लिखी है, उन्होंने ने भी ब्लड कुरान का जिक्र किया है। ब्लड कुरान के नाम से चर्चित इस कुरान को बगदाद की एक मस्जिद में रखा गया था। बाद में जब साल 2006 में सद्दाम हुसैन को फांसी दी गई तो उसके बाद इस कुरान के सार्वजनिक प्रदर्शन पर रोक लगा दी गई।

114 अध्यायों को 605 पन्नों में लिखवाया

1990 के दशक में सद्दाम हुसैन ने अपने खून से कुरान लिखावाई थी। अंग्रेजी अखबार द गार्डियन की एक रिपोर्ट के अनुसार सद्दाम ने अल्लाह के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए कुरान के सभी 114 अध्यायों को 605 पन्नों में दर्ज किया था। इस सभी 605 पन्नों को लेकर देख सकें। इसके लिए इन्हें शीशे के केस में सजा कर रखा गया था।

हर हफ्ते निकलवाता था अपना खून

करीब 2 साल तक सद्दाम हुसैन ने हर हफ्ते अपना खून दिया। इससे लिए वो करीब एक हफ्ते एक नर्स के पास जाकर अपना बाजू पेश करता था। फिर नर्स उसके हाथ से खून निकाल लेती। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 605 कुरान के पन्नों को लिखने के लिए सद्दाम हुसैन ने अपना 24 लीटर खून दिया।

अमेरिकी कमांडर ने कहा, चीन तेजी से परमाणु बम बना रहा, अमेरिका डूबता हुआ जहाज

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के परमाणु हथियारों के प्रोग्राम की निगरानी करने वाले रणनीतिक कमांड के कमांडर एडमिरल चार्ल्स रिचर्ड ने चीन के परमाणु हथियारों को लेकर बड़ी चेतावनी दी है। एडमिरल रिचर्ड ने कहा कि चीन अमेरिका से ज्यादा तेजी से परमाणु बम बना रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह मुद्दा समस्या बन सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के अधिकारी चीनी परमाणु हथियारों के जमावड़े को लेकर कई वर्षों से आगाह कर रहे हैं, लेकिन रिचर्ड की सार्वजनिक चेतावनी मामले के गंभीर रूप लेने की ओर इशारा कर रही है। चार्ल्स ने कहा, जैसाकि अगर मैं चीन के खिलाफ हमारे प्रतिरोध का आकलन करूं, तब हमारा जहाज धीरे-धीरे डूब रहा है। यह धीरे-धीरे डूब रहा है, लेकिन डूब रहा है। वे हमसे ज्यादा तेजी से इस क्षेत्र में क्षमता हासिल कर रहे हैं।' उन्होंने चीन के परमाणु हथियार कार्यक्रम को बहुत जल्द आने वाली समस्या करार दिया है। चार्ल्स ने कहा कि यह समस्या जिस तरह से आगे बढ़ रही है, उससे हमारे कमांडर चाहे जितना अच्छे हों, वे पर्याप्त नहीं होने वाले हैं। अमेरिकी कमांडर ने रक्षा मंत्रालय के कार्यक्रम में यह गंभीर चेतावनी दी। अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने लगातार कहा है कि हमारे देश का मुख्य वैश्विक प्रतिस्पर्द्धी है। उन्होंने अक्टूबर में जारी नीतिगत दस्तावेज में चीन की सैन्य ताकत और परमाणु हथियारों के कार्यक्रम के बारे में भी चेतावनी दी है। इस दस्तावेज में रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था कि चीन तेजी से चुनौती बन रहा है, क्योंकि वह एकमात्र ऐसा प्रतिस्पर्द्धी है जो इरादा रखता है और अमेरिका को चुनौती देने के लिए व्यवस्थित तरीके से क्षमता बढ़ा रहा है। अधिकारी ने कहा कि चीन अमेरिका को सैन्य, आर्थिक, तकनीक और राजनयिक तरीके से पीछे करने के लिए प्रयास कर रहा है। चीन के परमाणु समीक्षा में कहा गया है कि ड्रैगन की इच्छा कम से कम 1000 दागे जाने योग्य परमाणु बम इस दशक के अंत तक तैयार करने की है। इससे पहले साल 2021 में रिचर्ड ने चेतावनी दी थी कि चीन का परमाणु कार्यक्रम और परंपरागत सैन्य ताकत विस्फोटक अंदाज में बढ़ रही है जो सांसों को थाम देने वाली है।

पुतिन ने भारत के लोगों को प्रतिभाशाली, मेहनती और महत्वाकांक्षी कहा

- भारत अपने विकास के मामले में बेहतरीन नतीजे हासिल करेगा

मास्को (एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के नागरिकों को प्रतिभाशाली, बहुत मेहनती और महत्वाकांक्षी कहकर प्रशंसा की है। रूस के एकता दिवस के अवसर पर पुतिन ने कहा कि भारत अपने विकास के मामले में बेहतरीन नतीजे हासिल करेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है और लगभग डेढ़ अरब लोगों में अब यह क्षमता है। 27 अक्टूबर को व्लादिमीर पुतिन ने पीएम नरेंद्र मोदी की स्वतंत्र विदेश नीति की प्रशंसा की और कहा ?था कि वह एक सच्चे देशभक्त हैं। मोदी दुनिया के उन व्यक्तियों में से एक हैं जो अपने देश के हित में एक स्वतंत्र विदेश नीति को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं। भारत ने दुनिया में हर किसी से सम्मान हासिल किया है। हाल के वर्षों में पीएम मोदी के नेतृत्व में बहुत कुछ किया गया है। वह अपने देश के सच्चे देशभक्त हैं और उनकी मेक इन इंडिया की अवधारणा एक प्रयास महत्वपूर्ण है। भारत ने वास्तव में अपने विकास में प्रगति की है। इसके आगे एक महान भविष्य है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि उनके देश के साथ भारत के विशेष संबंध हैं, जो दशकों से वास्तव में घनिष्ठ सहयोगी संबंधों की नींव पर बने हैं। रूस का भारत के साथ कभी कोई विवाद नहीं रहा और दोनों देशों ने हमेशा एक-दूसरे का समर्थन किया। गौरतलब है कि सितंबर में पुतिन और मोदी शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में मिले थे। जहां मोदी ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने का आग्रह किया। मोदी ने कहा था कि आज का युग युद्ध का नहीं है, पुतिन को बातचीत के रास्ते पर लौटना चाहिए। यूक्रेन की जंग के बाद जहां अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर कई तरह के आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं, वहीं तमाम दबाव के बावजूद भारत इनसे दूर रहा है।

भारत की जासूसी के मकसद से चीन ने स्पाई शिप को इंडोनेशिया के पास किया खड़ा, इंडियन नेवी रख रही नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत पर नजर रखने के लिए ड्रैगन हर पैंतरे आजमा रहा है। भारत की जासूसी करने के लिए चीन ने कुछ महीने पहले अपने एक जासूसी जहाज को श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर भेजा था। हालांकि भारत के कड़े विरोध के बीच ये जहाज जल्द ही वहां से चला गया था। अब चीन ने एक बार फिर से इसी श्रेणी का एक और जहाज इंडोनेशिया के आसपास खड़ा किया है। श्रीलंका की घटना के ठीक तीन महीने बाद एक और चीनी जासूसी जहाज हिंद महासागर में आया है, जिससे नई दिल्ली में चिंता बढ़ गई। रक्षा मंत्रालय के एक सूत्र के मुताबिक इंडोनेशिया के बाली तट से हिंद महासागर में घुसे चीनी जासूसी जहाज 'युआन वांग-6' की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। नई दिल्ली को इसमें कोई संदेह नहीं है कि चीनी जहाजों ने बंगाल की खाड़ी में भारत के मिसाइल कार्यक्रम की प्रगति को ट्रैक करने के लिए हिंद महासागर में प्रवेश किया है। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, 'हम इसके बारे में पहले ही जान चुके हैं। चीनी जहाज की आवाजाही पर कई दिनों से नजर रखी जा रही है। मरीन ट्रैफिक की जानकारी के मुताबिक ये स्पाई शिप 21 अक्टूबर को झियांगयिन से चला है। इसके आगे की डेस्टिनेशन के बारे में कुछ नहीं बताया गया है। । मरीन ट्रैफिक से मिली जानकारी के मुताबिक ये एक रिसर्च वैसल है। इसका निर्माण 14 वर्ष पहले 2008 में किया गया था। ये करीब 222 मीटर लंबा और 25 मीटर चौड़ा है। इसको खासतौर पर मिसाइल परीक्षणों की जानकारी और सैटेलाइट गतिविधियों की जानकारी हासिल करने के लिए ही डिजाइन किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ताहिर हुसैन के खिलाफ आरोप तय, कोर्ट बोली- हिंदुओं के खिलाफ लोगों को भड़का रहे थे आरोपी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता ताहिर हुसैन और पांच अन्य के खिलाफ 2020 के दिल्ली दंगों के सिलसिले में साजिश के आरोप तय करने के छह महीने बाद दिल्ली उच्च न्यायालय ने ताहिर हुसैन और सात अन्य के खिलाफ हत्या के प्रयास के आरोप तय किए। अदालत ने कहा, 'सभी आरोपी हिंदुओं को निशाना बनाने में शामिल थे। कोर्ट ने कहा कि मामले में अदालत में पेश किए सबूतों, गवाहों के बयान से साफ है कि पहली नजर में ताहिर हुसैन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला बनता है। साजिश के तहत जुटाई गई रकम का इस्तेमाल दंगा में किया गय। इस साल मई के महीने में, दिल्ली की अदालत ने पाया कि आरोपी ताहिर हुसैन (आप के पूर्व नेता) न केवल एक साजिशकर्ता था, बल्कि हिंसक झड़पों में एक सक्रिय दंगाई भी था। साजिश के अपराध के आरोप के अलावा, उस पर दंगा और आगजनी का आरोप लगाया जा सकता है। यह भी देखा गया कि ताहिर न केवल मूकदर्शक था, बल्कि दंगों में भी सक्रिय भाग ले रहा था और गैरकानूनी सभा के अन्य सदस्यों को अन्य समुदायों के लोगों को सबक सिखाने के लिए उकसा रहा था। सरकारी वकील की ओर से कोर्ट को बताया गया कि ताहिर हुसैन ने सीएए विरोधी प्रदर्शनों और दंगों को फंडिंग की। वो इस दरमियान कई बार दंगाइयों से मिला और उनको पैसा दिया। सीएए विरोधी प्रदर्शनों की आड़ में दिल्ली को दंगों में झोंकने के लिए ताहिर और उसके साथियों ने जो साजिश रची, उसकी पृष्ठभूमि उसने अपने ही नियंत्रण वाली कंपनियों से फर्जी लेनदेन के जरिये तैयार किए।

सनातन संस्कृति समागम में 8 नवंबर को बक्सर पहुंचेंगे भागवत, कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम में लेंगे हिस्सा

पटना। बिहार के बक्सर में सात से 15 नवंबर को होने वाले सनातन संस्कृति समागम में संतों का जमावड़ा होगा। समागम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ संचालक मोहन भागवत तथा कई राज्यों के मुख्यमंत्री और राज्यपाल भी भाग लेंगे। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की कर्मभूमि बक्सर में इस दौरान श्रीराम कर्मभूमि तीर्थ क्षेत्र महाकुंभ व अंतरराष्ट्रीय संत समागम भी होगा।
सनातन संस्कृति समागम के मुख्य सलाहकार और केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने बताया कि 8 नवंबर को सर संघ संचालक मोहन भागवत मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन बक्सर के अहिरौली में होगा, इस कार्यक्रम में देश के बड़े संतों का आगमन भी होगा। इसके अलावा जीयर स्वामी के मार्गदर्शन में लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के साथ 5 तरह के यज्ञ यहां आयोजित होंगे, जिसमें बड़े-बड़े संत भाग लेंगे। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, उत्तराखंड, हरियाणा, सिक्किम, मणिपुर, गोवा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, केरल, सिक्किम, राजस्थान, त्रिपुरा, जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के अलावा देश के नामी साधु-संतों का आगमन होगा। बिहार के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री व राज्यपाल को भी आमंत्रण पत्र भेजा गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या के बाद श्रीराम की पहली कर्मभूमि बक्सर को देश दुनिया के सामने लाने के साथ देश में रामराज की कल्पना को साकार करना है। उन्होंने बताया कि नौ दिनों तक चलने वाले कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, राम व श्रीमद्भागवत कथा, अंतरराष्ट्रीय संत सम्मेलन, लक्ष्मीनारायण महायज्ञ समेत अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम के दौरान हर दिन देश के नामचीन कलाकार अपनी प्रस्तुति करेंगे। वाराणसी के प्रसिद्ध पंडितों द्वारा प्रतिदिन गंगा महाआरती की जाएगी। मुंगेर के योग विश्वविद्यालय का योग शिविर लगेगा, जिसमें स्वामी निरंजन भाग लेंगे। रामभक्तों के लिए हर दिन भंडारे की व्यवस्था होगी। उन्होंने बताया कि नौ से 15 नवंबर तक आयोजन स्थल पर प्रतिदिन सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक रामकथा व श्रीमद्भागवत कथा होगी।

नए संसद भवन का निर्माण तेज गति से जारी है: हरदीप सिंह पुरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए शनिवार को नए संसद भवन के निर्माण स्थल का दौरा किया और कहा कि काम तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मंत्री ने ट्विटर पर निर्माणाधीन इमारत की कुछ तस्वीरें भी साझा की। सरकार का कहना है कि यह परियोजना नवंबर तक पूरी हो जाएगी और संसद का शीतकालीन सत्र नए भवन में होगा। पुरी ने ट्वीट किया, ''आज नए संसद भवन में जारी निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है। भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित वास्तुशिल्प तत्वों के साथ अत्याधुनिक इमारत। आधुनिकता परंपरा से मिलती है।'' शुक्रवार को कोच्चि की अपनी यात्रा के दौरान पुरी ने कहा था,''मैं हर सप्ताह निर्माण स्थल का दौरा करता हूं। काम बहुत तेज गति से जारी है। चार हजार से अधिक लोग चौबीस घंटे काम कर रहे हैं।'' आमतौर पर संसद का शीतकालीन सत्र नवंबर-दिसंबर में आरंभ होता है। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना में एक नए त्रिकोणीय संसद भवन, एक सामान्य केंद्रीय सचिवालय, विजय चौक से इंडिया गेट तक तीन किलोमीटर लंबे राजपथ का सुधार, प्रधानमंत्री के एक नये आवास और एक प्रधानमंत्री कार्यालय तथा एक नए उपराष्ट्रपति एन्क्लेव की परिकल्पना की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर 2020 में नए संसद भवन की आधारशिला रखी थी। इसका निर्माण कार्य टाटा प्रोजक्ट्स लिमिटेड कर रहा है। नए भवन में देश की लोकतांत्रिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एक भव्य संविधान हॉल, संसद सदस्यों के लिए एक लाउंज, एक पुस्तकालय, कई समिति कक्ष, भोजन क्षेत्र और पर्याप्त पार्किंग स्थान होगा।

हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देगा संघ, छह को होने वाले सभी कार्यक्रम स्थगित किए

चेन्नई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने तमिलनाडु में छह नवंबर को होने वाले अपने मार्च और अन्य कार्यक्रम स्थगित करने तथा शर्तों के साथ इन कार्यक्रमों को अनुमति देने के मद्रास हाईकोर्ट की एकल पीठ के फैसले को चुनौती देने का फैसला किया है। संघ के एक सूत्र ने शनिवार को पुष्टि की कि संगठन ने मार्च निकालने और जनसभाएं आयोजित करने के कार्यक्रम को स्थगित करने का फैसला किया है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु में 50 के बजाय 44 स्थानों पर कुछ शर्तों के साथ इन कार्यक्रमों के आयोजन की अनुमति दी थी। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु पुलिस को निर्देश दिया था कि वह आरएसएस को छह नवंबर को राज्य में 44 जगहों पर 'मार्च' निकालने और जनसभाएं करने की अनुमति दे। न्यायमूर्ति जी के इलानथिरैयां ने महज खुफिया विभाग की सूचनाओं के आधार पर राज्य में 47 जगहों पर रैली की अनुमति नहीं देने को लेकर पुलिस को फटकार लगाने के बाद उक्त निर्देश जारी किए थे। खुफिया विभाग ने भी तमिलनाडु में कुछ ही जगहों के संबंध में अपनी सूचना दी थी। न्यायाधीश ने कहा था कि राज्य में उन छह जगहों पर रैलियों की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि वहां हालात सही नहीं हैं। यह छह जगह कोयंबटूर, मेत्तुपलयाम, पोल्लाची (तीनों कोयंबटूर जिले में), तिरुपुर जिले में पल्लादम, कन्याकुमारी जिले में अरुमनाई और नागरकोईल हैं। अदालत ने कहा था कि अगर इनमें से किसी भी शर्त का उल्लंघन होता है तो संबंधित पुलिस अधिकारी कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र हैं। आरएसएस ने राज्य में 50 जगहों पर रैली करने की अनुमति मांगी थी।

नौसेना प्रमुख आर. हरि कुमार पांच दिवसीय जापान यात्रा पर

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू, मालाबार अभ्यास के उद्घाटन समारोह में भाग लेने और द्विपक्षीय समुद्री संबंधों को प्रगाढ़ बनाने को लेकर जापान की पांच दिवसीय यात्रा शुरू की। भारतीय नौसेना के अग्रिम पंक्ति के दो युद्धपोत शिवालिक और कामोर्टा, रविवार को सागामी खाड़ी में होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू (आईएफआर) में भाग लेने के लिए योकोसुका पहुंच चुके हैं।
आईएफआर की मेजबानी जापान समुद्री आत्मरक्षा बल (जेएमएसडीएफ) की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर की जा रही है। भारत के अलावा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, कनाडा, इंडोनेशिया, मलेशिया, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका की नौसेनाएं इसमें भाग ले रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा आईएफआर की समीक्षा करेंगे जिसमें संबंधित देशों के 40 जहाज और पनडुब्बियां शामिल होंगी। भारतीय नौसेना ने एडमिरल कुमार की पांच से नौ नवंबर तक जापान यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि वह सात और आठ नवंबर को योकोहामा में 18वीं पश्चिमी प्रशांत नौसैन्य संगोष्ठी (डब्ल्यूपीएनएस) में भी भाग लेंगे।

केजरीवाल का बड़ा दावा, बीजेपी ने दिया मुझे ऑफर,

गुजरात छोड़ दो, हम सत्येंद्र जैन को छोड़ देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि गुजरात विधानसभा चुनाव के संबंध में भारतीय जनता पार्टी ने उनसे %सौदे% के लिए संपर्क किया था। केजरीवाल ने दावा किया कि भाजपा ने वादा किया था कि अगर आप गुजरात में चुनाव की दौड़ से हट जाती है, तो जेल में बंद दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन को रिहा कर दिया जाएगा। गुजरात में चुनाव की तारीखों की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद शनिवार को इंडिया टुडे से बात करते हुए केजरीवाल ने ये दावे किए।
आप संयोजक के आरोपों ने दिल्ली शराब घोटाले के संदर्भ में उनके पिछले आरोपों को प्रतिध्वनित किया जिसमें केंद्रीय जांच एजेंसियों ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से पूछताछ की थी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सिसोदिया से संपर्क किया और उन्हें भगवा पार्टी में शामिल होने के लिए राजी होने के लिए कहा गया। केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान सिसोदिया के दावों को दोहराया और कहा कि भाजपा ने सिसोदिया के खिलाफ सभी मामलों को रद्द करने की पेशकश की थी यदि वे आप छोड़ने का निर्णय लेते हैं।
बता दें कि मनीष सिसोदिया ने कहा था कि उन्हें बीजेपी से हाथ मिलने के फलस्वरूप दिल्ली के मुख्यमंत्री के पद की पेशकश की गई थी। यह बयान तब सामने आया जब केजरीवाल गुजरात में अपनी पार्टी की संभावित जीत की ओर इशारा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य को बदलाव की जरूरत है और बदलाव केजरीवाल हैं। उनकी पार्टी के गुजरात के मुख्यमंत्री इसुदान गढ़वी ने इंडिया टुडे के साथ बातचीत में अन्य दलों द्वारा संभावित अवैध शिकार पर सवालों के जवाब दिए।

शिंदे-फडणवीस सरकार गुजरात के विकास के लिए काम कर रही है: महाराष्ट्र कांग्रेस

मुंबई। (एजेंसी)।

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत राज्य सरकार पर गुजरात के विकास के लिए काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में विभिन्न विकास परियोजनाओं के पड़ोसी राज्य गुजरात चले जाने का हवाला दिया। यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए पटोले ने आरोप लगया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार की प्रतिष्ठा को बचाने के लिए महाराष्ट्र के लिए परियोजनाओं की घोषणा की है।
प्रधानमंत्री ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के लिए दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की। पटोले का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब महाराष्ट्र में प्रस्तावित कुछ बड़ी परियोजनाओं के गुजरात और अन्य राज्यों में जाने के बाद शिंदे सरकार विपक्ष के हमले का सामना कर रही है। विपक्ष शिंदे-फडणवीस सरकार को वेदांता-फॉक्सकॉन और टाटा-एयरबस परियोजना के गुजरात चले जाने के लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है।
पटोले ने मुख्यमंत्री को आड़े लेते हुए कहा कि राज्य सरकार गुजरात के विकास के लिए काम कर रही है क्योंकि महाराष्ट्र आने वाली सभी बड़ी परियोजनाएं पड़ोसी राज्य गुजरात स्थानांतरित हो रही हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि शिंदे-फडणवीस सरकार प्रवर्तन निदेशालय की वजह से बनी क्योंकि जांच एजेंसी का इस्तेमाल विपक्ष के खिलाफ व विरोधी नेताओं को भयभीत करने के लिए किया गया।

पीएम मोदी के कार्यकाल में महिलाओं का हुआ सशक्तीकरण, विकास के लिए डबल इंजन सरकार जरूरी : नड्डा

बिलासपुर (एजेंसी)।

हिमाचल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज बैहना जट्टां, बिलासपुर में एक जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में उन्होंने विपक्ष पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा और केंद्र की मोदी सरकार तथा राज्य की जयराम ठाकुर सरकार की उपलब्धियां गिनाई। अपने संबोधन में नड्डा ने कहा कि हिमाचल को आज वो मिला, जिसकी लोग कभी कल्पना नहीं करते थे।
उन्होंने कहा पहले यहां इलाज से लोग वंचित रह जाते थे। आज आपके यहां ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) है। आज यहां हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बन रहा है। उन्होंने कहा हिमाचल में आज रेलवे लाइन का निर्माण हो रहा है। गांव-गांव सड़कों का निर्माण हो रहा है।
भाजपा अध्यक्ष ने कहा हिमाचल में आज बल्क ड्रग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क बन रहा है। यह सब डबल इंजन की सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले महिलाओं को खाना बनाने के लिए सुबह-सुबह लकड़ी काटने जंगल जाना पड़ता था। वे लकड़ी लाती थीं और धुएं से जूझते हुए खाना बनाती थीं। आज यहां लगभग 1 लाख 37 हजार गैस सिलेंडर दिए गए हैं और महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिल गई है। नड्डा ने कहा कि पहले सुबह-सुबह महिलाएं शौच के लिए खेतों में जाया करती थीं। आज हर घर में शौचालय है, अब बहनों-माताओं को खेतों में नहीं जाना पड़ता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण का काम मोदी सरकार में हुआ है।
नड्डा ने कहा जब मनमोहन सिंह की सरकार आई और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार गई तभी आपका हक मारा गया था। उन्होंने कहा हिमाचल को आज वह मिला है जिसकी लोग कभी कल्पना नहीं करते थे। पहले यहां इलाज से लोग वंचित रहते थे। आज यहां एम्स है। इसके साथ ही उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस के किसी प्रधानमंत्री ने 75 साल में हिमाचल प्रदेश का दौरा किया है, जितनी बार पीएम मोदी 6-8 साल में गए? इससे पता चलता है कि उन्होंने हिमाचल प्रदेश को कैसे देखा और पीएम मोदी इसे कैसे मानते हैं। केंद्र और राज्य में डबल इंजन सरकार जरूरी है ताकि पहाड़ियों में विकास रुके नहीं।

सिद्धेश्वर धाम के दर्शन के लिए सिक्किम पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू

गंगटोक। अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को नामची पहुंचीं और फिर सिद्धेश्वर धाम के लिए रवाना हो गईं। नामची हेलीपैड पर मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति नामची से लगभग पांच किलोमीटर दूर सोलोफोक पर्वत पर स्थित सिद्धेश्वर धाम के लिए रवाना हो गईं।
उन्होंने वहां राज्य के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 30 महिला सदस्यों के साथ बातचीत की। मुर्मू धाम परिसर में स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए रड्डी या लुकुनी बुनाई, थंका पेंटिंग, कालीन और हथकरघा उत्पादों के स्टॉल भी देखा। नामची में अपने 30 मिनट के कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति दिल्ली लौटने के लिए पश्चिम बंगाल के बागडोगरा हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गईं।

प्रवीण नेट्टारू हत्याकांड में एनआईए की बड़ी कार्रवाई, पीएफआई के तीन लोगों को किया गया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने शनिवार को बीजेपी युवा मोर्चा के सदस्य प्रवीण नेट्टारू की हत्या के मामले में बेंगलुरु और दक्षिण कन्नड़ जिले में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। एजेंसी ने दक्षिण कन्नड़, हुबली और मैसूर में पांच स्थानों पर तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपियों के घर से डिजिटल उपकरण और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए।
नेट्टारू की हत्या की साजिश में सक्रिय संलिप्तता को लेकर एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए गए तीन पीएफआई कार्यकर्ता के मोहम्मद इकबाल, के इस्माइल शफी और इब्राहिम थे। हत्याकांड में अब तक कुल दस लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एजेंसी ने मामले में फरार चार आरोपियों के खिलाफ इनाम की भी घोषणा की है और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। नेट्टारू बेल्लारे के रहने वाले थे और उन्होंने बेल्लारे के जिला सचिव और भाजपा युवा मोर्चा के जिला सचिव के रूप में कार्य किया। एनआईए की प्राथमिकी के मुताबिक नेतरू ने 26 जुलाई की रात 8:30 बजे अपनी चिकन की दुकान बंद कर दी थी। वह अपनी बाइक से घर जाने वाला था और शिकायत दुकान के अंदर अपना रेन कोट लाने चली गई। शिकायतकर्ता के दुकान के बाहर चिल्लाने की आवाज सुनकर वह नेतरू को सड़क पर पड़ा देखने के लिए निकला। बाइक सवार तीन हमलावर हाथ में धारदार हथियार लेकर मौके से फरार हो गए। नेट्टारू के सिर पर गंभीर चोटें आई थीं और उन्हें पुत्तूर शहर के प्रगति अस्पताल ले जाया गया था। डॉक्टर ने उसकी जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के वादे का क्या हुआ, विफलता पर चुप्पी क्यों: खड़गे

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार के विभागों में खाली पड़े पदों और भारतीय जनता पार्टी के हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के वादों का उल्लेख करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार युवाओं के लिए नया अवसर पैदा करने में विफल रही है। उन्होंने यह सवाल भी किया कि आठ साल में 16 करोड़ नौकरियों देने का वादे का क्या हुआ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पर मौन क्यों हैं?
खरगे ने रिक्त पदों से जुड़े कुछ आंकड़े साझा करते हुए ट्वीट किया, ''मोदी जी हर साल दो करोड़ नौकरियां देने का वादा कर सत्ता में आए थे। हर साल अच्छे वेतन वाली दो करोड़ नौकरियों का सृजन करना तो भूल जाइए, भाजपा सरकार विगत आठ वर्षों में केंद्र सरकार में खाली पड़े 10 लाख पदों को भरने के बारे में सोच भी नहीं सकी।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने में विफल रही है।
उन्होंने तंज कसते हुए हुए सवाल किया, ''इन दिनों हम 'मेक इन इंडिया' और 'स्किल इंडिया' के बारे में बहुत कुछ नहीं सुनते। इन कार्यक्रमों और इनसे जुड़े नारों का क्या हुआ? आठ साल में 16 करोड़ नौकरियां कहां हैं? मौन क्यों हैं, मोदी जी?'' खरगे ने कहा, ''भाजपा सरकार अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए काम करने का दावा करती है। सरकार ने संसद में दिए अपने खुद के जवाब में माना कि एससी, एसटी और ओबीसी के रिक्त पड़े पदों को अभी भरा नहीं गया है।

ईडी ने आबकारी नीति मामले में सिसोदिया के निजी सहायक से पूछताछ की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के निजी सहायक से रद्द आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन की जांच के सिलसिले में शनिवार को पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ईडी देवेंद्र शर्मा से पूछताछ कर रही है और धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया जा रहा है। सिसोदिया ने एक ट्वीट में दावा किया कि ईडी ने उनके खिलाफ एक ''झूठा'' मामला दर्ज किया, जिसके बाद एजेंसी ने उनके निजी सहायक के घर पर छापा मारा और उन्हें (शर्मा) ''गिरफ्तार'' किया। धनशोधन का मामला सीबीआई की एक प्राथमिकी के आधार पर दर्ज किया गया है, जिसमें सिसोदिया को आरोपी बनाया गया है। सीबीआई ने मामला दर्ज करने के बाद उपमुख्यमंत्री और दिल्ली सरकार के कुछ नौकरशाहों के परिसरों पर छापेमारी की थी।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव: कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और एक लाख रोजगार देने का वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की ओर से घोषणा पत्र जारी कर दिया गया है। घोषणा पत्र के जरिए ही युवाओं और महिलाओं को साधने की कोशिश की जा रही है। घोषणा पत्र में कहा गया है कि पहले ही कैबिनेट में 1 लाख रोजगार देने का फैसला लिया जाएगा। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश में 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का भी वादा किया गया है। महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये दिए जाएंगे। साथ ही साथ स्मार्ट विलेज की नींव रखने की बात कही गई है। 5000 किलोमीटर सड़क बनाने का काम होगा। कांग्रेस की ओर से पर्यटन पर भी जोर देने की बात कही जा रही है। कांग्रेस की ओर से घोषणा पत्र का नाम हिमाचल हिमाचलियत और हम रखा गया है।
कांग्रेस की घोषणा पत्र को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने जारी किया। इसमें यह भी कहा गया है कि हर दिन पशुपालकों से 10 लीटर दूध खरीदा जाएगा। इसके अलावा 2 रुपये प्रति किलो गाय के गोबर की खरीद सरकार खरीदेगी। इसके अलावा खेती और बागवानी पर भी जोर देने की बात कही गई है। खेती एवं बागवानी आयोग का गठन किया जाएगा। सभी प्रकार के सेबों का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी निर्धारित होगा। सोलन जिले में फूड प्रोसेसिंग पार्क के बनाने की बात कही गई है। कुल मिलाकर देखे तो कांग्रेस ने जनता को ओपीएस लागू करने, महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 2 रुपये प्रति किलो गाय के गोबर की खरीद सहित 10 गारंटी देने का वादा किया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

गांधी नगर फैक्टरी में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के गांधी नगर में देर शाम एक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। खबर लिखे जाने तक आग बुझाने का कार्य जारी है। वहीं स्थानीय पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के अनुसार, शाम 7.20 बजे सूचना मिली कि गांधी नगर जैन मंदिर वाली गली स्थित एक फैक्टरी में आग लग गई है। सूचना मिलते ही एक-एक कर दमकल विभाग ने छह गाड़ियों को मौके पर भेजा। खबर लिखे जाने तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

दिल्ली भाजपा ने नगर निगम चुनाव के लिए संकल्प पत्र गठन करने के लिए काम शुरू किया

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा ने नगर निगम चुनाव की तैयारी सक्रियता से शुरू कर दी है। प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी द्वारा गठित चुनाव घोषणा पत्र समिति के संयोजक एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने एक वेबसाइट यूआरएल एवं वाट्सएप्प नंबर जारी करके दिल्ली की जनता से आगामी नगर निगम चुनाव के लिए पार्टी के संकल्प पत्र हेतु सुझाव मांगने के कार्य को शुरू किया। दिल्ली भाजपा द्वारा जनता से सुझाव मांगने के लिए एक वाट्सएप्प नंबर 7827514514 जारी किया गया। उसके साथ ही एक वेबसाइट यू.आर.एल. बीजेपी दिल्ली विजन फोर एमसीडी 2022 bjpdelhivisionymcd.com भी जारी किया गया। इसके साथ ही दिल्ली के विभिन्न कोनों में करीब एक हजार स्थानों पर पार्टी सुझाव बॉक्स रखकर भी जनता से सुझाव मांगेगी और पार्टी के प्रचार वाहनों पर भी सुझाव बॉक्स रखा जाएगा। उपाध्याय ने कहा कि पार्टी ने चुनाव में जनता के प्रति संकल्प पत्र निर्माण करने के लिए एक अनुभवशाली समिति का गठन किया है। जिसमें मेरे साथ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, विधायक अभय वर्मा, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा गुप्ता, प्रदेश महामंत्री हर्ष मल्होत्रा, प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर, पूर्व पार्षद संदीप कपूर एवं अधिवक्ता राघव अवस्थी सम्मलित हैं। ये सभी नेता जनता के बीच जाकर समाज के विभिन्न वर्गों से संकल्प पत्र के विषय पर सुझाव लेंगे।

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में आज भी नर्सेज रहीं हड़ताल पर

नई दिल्ली। दिल्ली नर्सिंग फेडरेशन के आह्वान पर आज भी दिल्ली सरकार की ओर से संचालित तमाम अस्पतालों के नर्सिंग स्टाफ सुबह 9 बजे से लेकर 11 बजे तक दो घंटे की हड़ताल पर रहे। पश्चिमी दिल्ली के सबसे बड़े अस्पताल दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) हॉस्पीटल में नर्स यूनियन का दो घंटे का प्रोटेस्ट शुक्रवार को भी जारी रहा। दिल्ली सरकार के अस्पतालों की नर्सेज दूसरे दिन भी रहीं। दिल्ली सरकार के अस्पतालों की नर्सों ने अपनी सेवाएं नियमित करने और अर्से से लंबित पदोन्नति देने समेत अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 'प्रतीकात्मक हड़ताल' जारी रखी।

दिल्ली नर्स फेडरेशन (डीएनएफ) ने दो से चार नवंबर तक सुबह 9 से 11 बजे तक हड़ताल करने की घोषणा कर रखी थी। दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में प्रदर्शन के दौरान महिला नर्सों ने खुलकर दिल्ली सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। सबने अस्पताल परिसर में मार्च भी निकाला जिसमें बड़ी संख्या में नर्सिंग स्टाफ में रहे। ये लोग अपनी एकता से संबंधित नारे लगाने के साथ-साथ दिल्ली सरकार और अस्पताल प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। अपनी मांगों को सरकार से जल्द मानने का इस प्रदर्शन के जरिए दबाव बना रहे है।

गाज़ियाबाद में तेज टक्कर के बाद बाइक को दूर तक घसीटता ले गया कार ड्राइवर, वीडियो वायरल

गाज़ियाबाद। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक कार सवार युवक द्वारा एक मोटरसाइकिल को घसीटा जा रहा है जिसमें से तेज चिंगारी निकल रही है, वायरल वीडियो रात करीब साढ़े ग्यारह बजे का है सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। हालांकि लोगों ने कार चालक को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया था, जिसके बाद दोनों पक्षों में फैसला भी हो गया था। आपको बता दें कि गाजियाबाद के थाना इंदिरापुरम क्षेत्र के भोवापुर निवासी दो युवक गुरूवार देर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे किसी काम से मोटरसाइकिल से जा रहे थे। जब दोनों युवक मंगल चौक के पास पहुंचे तो एक कार सवार युवक ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी जिससे मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक गिर पड़े और दोनों को मामूली चोट आई है इससे घबरा कर कार सवार युवक कार लेकर भागने लगा कार की टक्कर से सड़क पर गिरी मोटरसाइकिल कार के अगले हिस्से में फस गई।

अमेरिकी संस्था कंसोर्टियम फॉर ग्लोबल एजुकेशन के प्रतिनिधियों ने की उपमुख्यमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार के दिल्ली के शिक्षा मॉडल को पूरे विश्व में लोकप्रियता मिल रही है। सरकार इसे और बेहतर बनाने कि दिशा में लगातार काम कर रही है और देश-दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में शानदार काम कर रहे संस्थाओं से संपर्क में है। इसी क्रम में अमेरिका की एक संस्था कंसोर्टियम फॉर ग्लोबल एजुकेशन के प्रतिनिधियों ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान हायर-एजुकेशन, टीचर एजुकेशन, स्पोर्ट्स एजुकेशन व टेक्नीकल एजुकेशन सहित बहुत से मुद्दों पर चर्चा हुई।

इस मौके पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली शिक्षा क्रांति के अगले चरण में हम अपने शिक्षा मॉडल को वैश्विक स्तर पर ले जा रहे है। क्योंकि तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी की दुनिया में हमें अपने स्टूडेंट्स को वैश्विक दुनिया के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि इस क्रम में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दिल्ली सरकार शिक्षा के क्षेत्र में शानदार काम कर रहे देशों के साथ नॉलेज-पार्टनरशिप कर रही है और हम एक-दूसरे के मॉडल से सीखने का काम कर रहे है।

सिसोदिया ने कहा कि उन्हें खुशी है कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों के कंसोर्टियम ने दिल्ली के शिक्षा मॉडल में रूचि दिखाई है। भविष्य में हम साथ मिलकर काम करेंगे ताकि दोनों देश एक दूसरे कि शिक्षा प्रणाली से सीख सके और ज्ञान के साथ-साथ टेक्नोलॉजी का आदान-प्रदान भी कर सकें।

सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी कि शुरुआत की है। इसका उद्देश्य दिल्ली और पूरे देश के लिए वर्ल्ड-क्लास टीचर्स तैयार करना है। अपनी यूनिवर्सिटी के लिए हम विश्वभर के टीचर ट्रेनिंग मॉडल की स्टडी कर रहे है। साथ ही अपने स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के माध्यम से हम खिलाडियों को वर्ल्ड-क्लास ट्रेनिंग देने के लिए विश्व के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों के साथ पार्टनरशिप करने का काम कर रहे है, ताकि हमारे खिलाडियों को शानदार ट्रेनिंग के साथ-साथ आधुनिक स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी भी मिल सकें। आने वाले समय में हम इस कंसोर्टियम के साथ इन मुद्दों पर और डिस्कशन करेंगे तथा साथ मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरी का काम करेंगे।

उल्लेखनीय है कि यह कंसोर्टियम अमेरिका के 43 यूनिवर्सिटीज का एक संगठन है जो दुनियाभर के 60 से अधिक देशों में विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ नॉलेज पार्टनरशिप कर ट्रेनिंग, टेक्नोलॉजी साझा करने, विभिन्न एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के माध्यम से दोनों देशों के विश्वविद्यालयों में एजुकेशन सिस्टम के क्वालिटी इम्प्रूवमेंट का काम करते है।

कोंडली स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का उपमुख्यमंत्री ने किया दौरा

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली में डीजल ट्रकों की एंट्री पर बैन लगा दिया है। यह निर्णय दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा लागू ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के स्टेज IV के मद्देनजर लिया गया है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता (एक्यूआई) सूचकांक 450 से अधिक यानी सीवियर तक पहुंच गया है। इसको देखते हुए दिल्ली सरकार ने सुधारात्मक उपायों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्णय लिया है। दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले या आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले ट्रकों को छोड़कर किसी भी डीजल ट्रक को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। हालांकि सभी सीएनजी और इलेक्ट्रिक ट्रकों को दिल्ली की सीमा में प्रवेश करने की अनुमति होगी। इसके अलावा, दिल्ली में पंजीकृत डीजल संचालित मध्यम माल वाहन (एमजीवी) और भारी माल वाहनों (एचजीवी) को आवश्यक वस्तुओं को ले जाने या आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वालों को छोड़कर दिल्ली में चलने की अनुमति नहीं होगी। दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार दिल्ली में बीएस-III पेट्रोल और बीएस-IV डीजल लाइट मोटर व्हीकल एलएमवी के चलने पर प्रतिबंध रहेगा।

इसके अलावा, परिवहन विभाग द्वारा 60 दिनों की अवधि के लिए डीटीसी के माध्यम से 1000 निजी सीएनजी अनुबंध कैरिज बसों को किराए पर लेकर सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को बढ़ाया जाएगा। इसे आगे आवश्यकता अनुसार 90 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है। पहले चरण में 500 बसें किराए पर ली जाएंगी। सीएक्यूएम के अगले आदेश तक यह योजना लागू रहेगी। भोजन और आवश्यक उत्पादों की निरंतर आपूर्ति के लिए, प्रतिबंध में आवश्यक वस्तुओं जैसे सब्जियां, फल, अनाज, दूध, अंडे, बर्फ, खाद्य पदार्थ ले जाने वाले ट्रक शामिल नहीं होंगे। इसके अलावा पेट्रोलियम उत्पादों को ले जाने वाले टैंकर भी इसमे शामिल नहीं होंगे। इस पर टिप्पणी करते हुए, दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, 'मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हम दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह महत्वपूर्ण है कि सभी आवश्यक वस्तुओं या सेवाओं की आपूर्ति किसी भी समय प्रभावित न हो , इसीलिए हमने इससे जुड़े वाहनों को प्रतिबंध से बाहर रखा है।

गहलोत ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि प्रदुषण से लड़ने में हमारा साथ दें और ऐसी किसी भी यात्रा से बचें जो आवश्यक न हो और इस दौरान जितना हो सके सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। हमने नागरिकों की सुविधा के लिए शहर भर में आवश्यक बस सेवाओं को भी बढ़ावा दिया है।

दिल्ली सरकार के 50 फीसदी कर्मचारी घर से करेंगे काम:गोपाल राय

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार के 50 फीसदी कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा गया है। सरकार ने निजी दफ्तरों को भी वर्क फ्रॉम होम मोड पर जाने की सलाह दी है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण के खतरे को देखते हुए दिल्ली सरकार ने अपने 50 फीसदी कर्मचारियों को सोमवार से 'घर से काम' (वर्क फ्रॉम होम) करने का आदेश दिया है। इस संबंध में राय ने निजी कार्यालयों से भी वर्क फ्रॉम होम मोड पर जाने का अनुरोध किया है।

राय ने कहा कि राज्य सरकार बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए प्रयासरत है। इसके तहत अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य में सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए सरकार 'पर्यावरण बस सेवा' भी शुरू करेगी, जिसमें 500 निजी सीएनजी बसें शामिल की जाएंगी।

राय ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदूषण-रोधी उपायों के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए छह सदस्यीय समिति बनाई है साथ ही राजस्व आयुक्तों को बाजारों और कार्यालयों के लिए अलग-अलग कार्य समय के लिए योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

राय ने कहा कि राज्य सरकार बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए प्रयासरत है। इसके तहत अनेक कदम उठाए जा रहे हैं।

राय ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य में वाहनों के लिए सम-विषम नियम भी लागू किए जा सकते हैं। राज्य सरकार इस योजना पर भी विचार कर रही है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली-एनसीआर में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। इस मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने भी चिंता व्यक्त की है। इस मुद्दे पर एनएचआरसी ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के मुख्य सचिवों को विस्तृत चर्चा के लिए व्यक्तिगत रूप से या हाइब्रिड मोड पर 10 नवंबर को उपस्थित होने के लिए कहा है।

भाजपा ने प्रदेश कार्यालय में किया चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी बैजयंत जय पांडा और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश आदेश गुप्ता ने चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि दिल्ली में बड़े-बड़े आश्वासन देने के बावजूद केजरीवाल सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। इन मुद्दों में प्रदूषण की रोकथाम, आधारभूत सुविधाओं में सुधार की कमी और किए गए वायदे शामिल हैं। गोयल ने कहा कि समय आ गया है कि पिछले आठ साल से हो रहे भ्रष्टाचार की राजनीति को अब खत्म करने का

और दिल्ली की जनता इस बार के निगम चुनाव में मुंहतोड़ जवाब देने जा रही है। निगम चुनाव में भाजपा को जीत का ताज पहनाकर दिल्ली की जनता भ्रष्टाचारी केजरीवाल सरकार को सबक सिखाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि आज प्रदूषण को लेकर केजरीवाल सरकार पूरी तरह से फेल साबित हुई है।

वही आदेश गुप्ता ने अपनी धर्मपत्नी अनुराधा गुप्ता के साथ चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर पूजा अर्चना के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाजपा निगम के चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है और आगामी चुनाव में जीतकर चौथी बार भाजपा निगम में आने वाली है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता केजरीवाल के भ्रष्टाचार और झूठे प्रचार से पूरी तरह से उब चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब भी वे देगी। गुप्ता ने कहा कि भाजपा हमेशा से जनता के साथ जुड़कर काम करती रही है और यही कारण है कि दिल्ली की जनता के दिलों में भाजपा बसती है। 15000 पार्कों की रुपरेखा बदलने का काम भी भाजपा शासित नगर निगम ने अपने कार्यकाल के दौरान किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी भी प्रचार आधारित राजनीति नहीं करती बल्कि वे हमेशा काम और विकास पर विश्वास करती है और यह हमने करके दिखाया भी है। इस मौके पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद मनोज तिवारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, जम्मू कश्मीर के सह प्रभारी आशीष सूद, राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला सहित प्रदेश के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली में डीजल से चलने वाले मालवाहक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली में डीजल ट्रकों की एंट्री पर बैन लगा दिया है। यह निर्णय दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा लागू ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के स्टेज **IV** के मद्देनजर लिया गया है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता (एक्यूआई) सूचकांक 450 से अधिक यानी सीवियर तक पहुंच गया है। इसको देखते हुए दिल्ली सरकार ने सुधारात्मक उपायों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्णय लिया है। दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले या आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले ट्रकों को छोड़कर किसी भी डीजल ट्रक को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। हालांकि सभी सीएनजी और इलेक्ट्रिक ट्रकों को दिल्ली की सीमा में प्रवेश करने की अनुमति होगी।

इसके अलावा, दिल्ली में पंजीकृत डीजल संचालित मध्यम माल वाहन (एमजीवी) और भारी

दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले या आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले ट्रकों को छोड़कर किसी भी डीजल ट्रक को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

माल वाहनों (एचजीवी) को आवश्यक वस्तुओं को ले जाने या आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वालों को छोड़कर दिल्ली में चलने की अनुमति नहीं होगी। दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार दिल्ली में बीएस-III पेट्रोल और बीएस-IV डीजल लाइट मोटर व्हीकल एलएमवी के चलने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा, परिवहन विभाग द्वारा 60 दिनों की अवधि के लिए डीटीसी के माध्यम से 1000 निजी सीएनजी अनुबंध कैरिज बसों को किराए पर लेकर सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को बढ़ाया जाएगा। इसे आगे आवश्यकता अनुसार 90 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है। पहले चरण में 500 बसें किराए पर ली जाएंगी।

सीएक्यूएम के अगले आदेश तक यह योजना लागू रहेगी। भोजन और आवश्यक उत्पादों की निरंतर आपूर्ति के लिए, प्रतिबंध में आवश्यक वस्तुओं जैसे सब्जियां, फल, अनाज, दूध, अंडे, बर्फ, खाद्य पदार्थ ले जाने वाले ट्रक शामिल नहीं होंगे। इस पर टिप्पणी करते हुए, दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, 'मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हम दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह महत्वपूर्ण है कि सभी आवश्यक वस्तुओं या सेवाओं की आपूर्ति किसी भी समय प्रभावित न हो , इसीलिए हमने इससे जुड़े वाहनों को प्रतिबंध से बाहर रखा है। गहलोत ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि प्रदुषण से लड़ने में हमारा साथ दें और ऐसी किसी भी यात्रा से बचें जो आवश्यक न हो और इस दौरान जितना हो सके सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। हमने नागरिकों की सुविधा के लिए शहर भर में आवश्यक बस सेवाओं को भी बढ़ावा दिया है।

दिल्ली-एनसीआर की हवा जहरीली, कई इलाकों में एक्यूआई 500 पार

नई दिल्ली। वातावरण में धुंध छाई हुई है। साथ ही हवा की गुणवत्ता में गिरावट लगातार जारी है। शनिवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 431 दर्ज किया गया। हवा की यह गुणवत्ता की 'गंभीर' श्रेणी है। नोएडा (उत्तर प्रदेश) का एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में 529, गुरुग्राम (हरियाणा) में 'गंभीर' श्रेणी में 478 और धीरपुर (दिल्ली) के पास 'गंभीर' श्रेणी में 534 दर्ज किया गया है।

पंजाब और हरियाणा में जलने वाली पराली का असर उत्तर और पूर्वी भारत के प्रमुख शहरों में भी दिखने लगा है। यहां की हवा भी बहुत खराब श्रेणी में पहुंच रही है। इससे पहले लगातार दूसरे दिन वायु गुणवत्ता के लिहाज से दिल्ली एनसीआर रेड जोन में रहा। सभी जगहों का एक्यूआई 400 के ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में ही रहा। फरीदाबाद के सेक्टर-11 और 16 में तो यह 500 तक चला गया। दिल्ली के बवाना इलाके में यह 498 तक चला गया।

सफर इंडिया का पूर्वानुमान है कि हवा की दिशा बदलने से शनिवार से प्रदूषण का स्तर थोड़ा नीचे आना शुरू हो जाएगा और यह बहुत खराब श्रेणी में पहुंच सकता है। उल्लेखनीय है कि वायु प्रदूषण के गंभीर श्रेणी में पहुंचने और ग्रेप का चौथा चरण लागू होने के साथ ही राजधानी दिल्ली में कई प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके तहत पांच से आठ नवंबर तक प्राइमरी स्कूल बंद रहेंगे। पांचवीं से ऊपर की कक्षाओं की आउटडोर एक्टिविटी बंद रहेंगी। दिल्ली सरकार के कार्यालय 50 प्रतिशत क्षमता से खुलेंगे और 50 प्रतिशत कर्मचारी वर्क फ्राम होम करेंगे। आवश्यक सेवाओं से जुड़े ट्रकों को छोड़कर दिल्ली में अन्य डीजल ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल के हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) भी शनिवार से अगले आदेश तक नहीं चल पाएंगे। यानी एक अप्रैल, 2010 से पहले के पेट्रोल वाहन और एक अप्रैल, 2020 से पहले के पंजीकृत डीजल वाहनों पर रोक रहेगी।

पंजाब और हरियाणा में जलने वाली पराली का असर उत्तर और पूर्वी भारत के प्रमुख शहरों में भी दिखने लगा है। यहां की हवा भी बहुत खराब श्रेणी में पहुंच रही है।

गाजियाबाद में 2 सिपाहियों पर लूट, अपहरण और झूठे केस में जेल भिजवाने का आरोप

गाजियाबाद। पुलिस के दामन पर दाग लगने का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा। बीते साल ही लखनऊ पुलिस के ऊपर कानपुर में डकैती का मुकदमा दर्ज हुआ था। उसके बाद यूपी में कई मामले पुलिस के ख़िलाफ़ आए। अब ताजा मामला गाजियाबाद के लोनी इलाकें का है, जहां पर लोनी कोतवाली क्षेत्र की डाबर तालाब पुलिस चौकी पर तैनात 2 सिपाहियों पर लूट, अपहरण और झूठे केस में जेल भिजवाने का आरोप लगा है। जेल गए युवक की मां ने एसएसपी समेत उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर दोषी सिपाहियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। डाबर तालाब कॉलोनी निवासी महिला आरोप है कि 1 नवंबर को

उसका पुत्र अपने एक दोस्त के साथ नया मोबाइल फोन खरीदने के लिए लोनी तिराहा स्थित मोबाइल शोरूम में जा रहा था। आरोप है कि तिराहा पर मौजूद 2 सिपाहियों ने उसे जबरन रोक लिया और उसकी जेब मे रखे 20 हजार रुपये लूट लिए। युवक ने इसका विरोध किया तो दोनों सिपाही उसे लोनी कोतवाली ले गए और मादक पदार्थ केस लगाकर झूठे केस में जेल भेज दिया। अब डाबर तालाब पर तैनात एक दारोगा जी उन्हें 20 हजार रुपये वापस देने की बात कहकर उन्हें चुप बैठने की धमकी दे रहे है। महिला ने अपने पुत्र को झूठे केस में फसाने और लूट व अपहरण कर थाना ले जाने वाले दोनों सिपाहियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।